संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 153
पृष्ठ 8
गुरूवार
20 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो जाए...

विचार- नया टैक्स बिल 2025: पारदर्शिता...

खेल- चयन से जुड़ी चुनौतियों से उबरकर...

विधानसभा में गरजे सीएम योगी, बोले- ये लोग अकबर का किला जानते थे, लेकिन सरस्वती कूप नहीं

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) पर महाकुंभ के आयोजन के बारे में अनर्गल प्रलाप का आरोप लगाते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अगर सनातन परंपरा के इस आयोजन को भव्यता से करना कोई अपराध ा है, तो उनकी सरकार इस अपराध को बार बार करना चाहेगी। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान योगी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में 56 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में आस्था की पावन डुबकी लगा चुके हैं मगर कुछ लोग सनातन धर्म के खिलाफ, मां गंगा, भारत की आस्था के खिलाफ कोई अनर्गल प्रलाप करते है, वह कहतें हैं कि महाकुंभ का आयोजन पैसे की बर्बादी है। इसे भारत की सनातन आस्था का विरोध माना जायेगा। सीएम योगी ने कहा कि उन लोगों को पता होना चाहिये कि महाकुंभ किसी पार्टी विशेष अथवा सरकार का आयोजन नहीं है बल्कि समाज का है। सरकार इस आयोजन

में सेवक की भूमिका में है। आस्था के खिलाफ अनर्गल प्रलाप वास्तव में अब तक स्नान कर चुके 56 करोड़ लोगों की आस्था के खिलाफ है। उन्होने कहा हमारी संवेदनायें उन सभी श्रद्धालुओं के साथ है जो मौनी अमावस्या पर्व पर भगदड़ का शिकार हुये अथवा महाकुंभ आते समय सड़क दुर्घटना का शिकार बने। सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है मगर इसमें राजनीति नहीं करनी चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ को बदनाम करने में विपक्षी सदस्यों ने कोई कोरकसर नहीं छोड़ी। सोशल मीडिया के माध यम से भी कुंभ के बारे में मिथ्या प्रचार किया गया। काहिरा में भगदड़,नेपाल में आगजनी के पुराने वीडियो को महाकुंभ का बतला कर जनमानस को भ्रमित किया गया मगर महाकुंभ के प्रति लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आयी। महाकुंभ में हर धर्म जाति के लोगों ने हिस्सा लिया। क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने भी कुंभ में पावन डुबकी लगायी। उन्होंने कहा कि समाजवादियों की आदत हर अच्छी बात का विरोध करना है। यह जिस थाली खाते हैं उसी में छेद करते हैं। वास्तव में यही समाजवादियों के संस्कार हैं। सपा का सोशल मीडिया का हैंडल उनके संस्कार की पुष्टि करता है जिसमें ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जाता है जो किसी सभ्य समाज में शोभा नहीं देता। योगी ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को अक्षय वट का नाम भी नहीं मालुम है। वह सरस्वती कूप को सरस्वती नदी कहते हैं। वह कहते हैं कि महाकुंभ को कोई शब्द नहीं है। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव को महाकुंभ फालतू लगता है तो सपा नेत्री जया बच्चन कहती हैं कि भगदड़ में मृत लोगों के शव गंगा नदी में बहा दिये गये जिससे यह और प्रदूषित हो गयी हैं। तृणमूल कांग्रेस नेता ममजा बनर्जी ने तो महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कह दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे कहते हैं कि भगदड़ में हजार से ज्यादा लोगों की मृत्यु हुयी। आपका दुष्प्रचार हमें बुरा नही लगता क्योंकि हमको पता है आपकी सोच संक्रमित है। संक्रमित व्यक्ति का तो उपचार है मगर संक्रमित सोच का कोई इलाज नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि महान कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है, उपहास,विरोध और स्वीकृति। महाकुंभ का पहले उपहास किया गया और बाद में विरोध ा किया गया मगर इसे स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है कि समाजवादी पार्टी अध्यक्ष जो विरोध कर रहे थे,जाकर चुपके से स्नान कर आये। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय भी महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे मगर अखिलेश अपने चाचा शिवपाल को लेकर नहीं गये। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की ओर इशारा करते हुये कहा कि पांडे जी आप चाचा को कुंभ जरूर ले जाइयेगा। यादव ने कहा कि 2017 के पहले यूपी पहचान के संकट से जूझ रहा था। महाकुंभ के आयोजन के बाद अब यूपी का व्यक्ति कहीं भी जाएगा सम्मान पायेगा। वह विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करेंगे कि वे सभी सदस्यों को महाकुंभ में डुबकी लगवायें। उनका तो मानना है एक संयुक्त सत्र महाकुंभ में होना चाहिए मगर सपा इसका भी विरोध करती,इसीलिए हम इस बात से दूर रहे।

चुनाव बीत चुका है, कानून-व्यवस्था पर ध्यान दे भाजपा : सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने हाल ही में तिलक नगर में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न का हवाला देते हुए शहर में कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर बुधवार को भाजपा पर निशाना साधा। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और अपराधियों को कानून का कोई डर नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कहना चाहता हूं कि चुनाव बीत चुका है और अब उसे दिल्ली में ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए।'' सिसोदिया ने आरोप लगाया कि अपराधी इसलिए बेखौफ हैं क्योंकि उन्हें पता है कि भाजपा की प्राथमिकताएं सिर्फ अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी (आप) को अपशब्द कहना है। भाजपा ने पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में 'आप' को हराया है। भाजपा की नई सरकार बृहस्पतिवार को यहां रामलीला मैदान में एक समारोह में शपथ लेगी।

कांग्रेस महासचिव, प्रभारी चुनाव नतीजों के लिए जवाबदेह होंगे : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि सभी महासचिव तथा प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन एवं चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। खरगे ने पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक में नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से स्पष्ट है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में

कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा, कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। 'असल फिसल पड़े और नकल चल पड़े' यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, मैं सबसे जरूरी बात जवाबदेही के बारे में भी आप सभी से कहना चाहूंगा। आप सभी अपने प्रभार वाले राज्यों के संगठन और भविष्य के चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।

केंद्र ने आपदा प्रभावित पांच राज्यों के लिए 1554 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च–स्तरीय समिति ने वर्ष 2024 के दौरान बाढ़, आकस्मिक बाढ़, भूस्खलन, चक्रवाती तूफान से प्रभावित पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष से 1554.99 करोड़ रूपए की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को बुधवार मंजूरी दी। गृह मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार का यह कदम प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने वाले इन पांच राज्यों के लोगों की मदद करने के संकल्प को दर्शाता है। उच्च–स्तरीय समिति ने पांच राज्यों को 1554.99 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी है जो वर्ष के लिए राज्य आपदा मोचन कोष में उपलब्ध प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। 1554.99 करोड़ रुपये की कुल राशि में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष से जारी धनराशि के अतिरिक्त है जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने संभाला पदभार

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुखबीर सिंह संधू निर्वाचन आयुक्त हैं, जबकि विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया। नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कहा, राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है। इसलिए भारत का प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए। भारत के संविधान, चुनावी कानूनों, नियमों और उसमें जारी निर्देशों के अनुसार भारत का चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ था, है और हमेशा रहेगा।

तीन लाख करोड़ रुपये का व्यापार, आस्था से अर्थव्यवस्था तक का अद्भुत संगम

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि शुरुआती अनुमान के अनुसार 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और दो लाख करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना थी, लेकिन देशभर में इस आयोजन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह के कारण अब 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार के महकुंभ ने तीन लाख करोड़ रुपये (360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार उत्पन्न किया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। कैट महासचिव और सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है।

13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि शुरुआती अनुमान के अनुसार 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और दो लाख करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना थी, लेकिन देशभर में इस आयोजन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह के कारण अब 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिससे कुल व्यापार 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है।

व्यापार के प्रमुख क्षेत्र जो हुए प्रभावित

पर्यटन, होटल और आवास सेवाएं

खाद्य और पेय पदार्थ उद्योग

परिवहन और लॉजिस्टिक्स

पूजा सामग्री, धार्मिक वस्त्र और हस्तशिल्प

हेल्थकेयर और वेलनेस सेवाएं

मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग

स्मार्ट टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी, टेलीकॉम और ।ए आधारित सेवाएं

150 किमी तक हुआ प्रभाव

महाकुंभ के कारण केवल प्रयागराज ही नहीं, बल्कि 150 किमी के दायरे में स्थित शहरों और कस्बों में भी व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। इसके अलावा, अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

महाकुम्भ को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज के सड़क, फ्लाईओवर और अंडरपास के निर्माण एवं सुधार पर 7500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस राशि में से 1500 करोड़ रुपये विशेष रूप से महाकुम्भ की व्यवस्थाओं के लिए आवंटित किए गए थे।इससे न केवल प्रयागराज में, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी यातायात और नागरिक सुविधाओं में सुधार हुआ है।

जॉइंट कमिश्नर जीएसटी सिद्धेश दीक्षित जी से व्यापारियों का उत्पीड़न बन्द करने को वार्ता

मुजफ्फर नगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल। आज उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल मुजफ्फर नगर के व्यापारी प्रतिनिधियों ने जीएसटी ज्वाइंट कमिश्नर श्री सिद्धेश दीक्षित से

वार्ता कर निचले अधिकारियों द्वारा व्यापारियों का उत्पीड़न करने पर नाराजगी जताई। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कंसल व नगर अध्यक्ष अजय सिंघल ने कहा कि छोटा व मंझोला व्यापारी बड़ी कठिनाई से अपना काम चला पा रहा है, छोटी बातों पर परेशान न किया जाए, यदि व्यापार ही नहीं रहेगा तो विभाग क्या करेगा। क्लेरिकल गलती पर भी उत्पीड़न बन्द करने की रखी मांग। वार्ता में अशोक कंसल वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, अजय कुमार सिंघल नगर अध्यक्ष, श्याम सिंह सैनी जिला महामंत्री, प्रवीण खेड़ा नगर महामंत्री, सुलखान सिंह नामधारी संरक्षक, पंकज शर्मा आदि शामिल रहे।

नई किराया नियमावली पर पालिका के किरायेदार व्यापारियों में बिखराव

मुजफ्फरनगर। पालिका चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप द्वारा पालिका मार्किट के किरायेदार व्यापारियों के करीब तीन दशकों से लंबित प्रकरणों का निस्तारण कराने के लिए कदम आगे बढ़ाया गया। 07 अक्टूबर 2024 को सम्पन्न हुई बोर्ड बैठक में टैक्स विभाग की ओर से प्रस्ताव संख्या 402 के अन्तर्गत नई किराया नियमावली को सदन में प्रस्तुत किया गया, जिसे बोर्ड ने अपनी सहमति प्रदान कर दी थी।इस नई नियमावली में पालिका की संपत्तियों में अवैध किरायेदारों का विनियमितीकरण करने के लिए नामांतरण शुल्क के साथ किराये में 01 सितम्बर 1977 को जारी शासनादेश को आधार बनाते हुए 50 प्रतिशत की वृ(करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके बाद आपत्ति मांगी गई। आपत्तियों का निस्तारण करने के लिए चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने समिति का गठन किया गया, जिसमें सभासद राजीव शर्मा, देवेश कौशिक और बबीता वर्मा के साथ ही कर निर्धारण अधिकारी दिनेश यादव को शामिल किया गया है।

बुधवार को समिति ने आपत्तियों पर दूसरी सुनवाई बैठक की। इसमें किरायेदार व्यापारी पालिका के किराया बढ़ोतरी के प्रस्ताव

और दूसरे नियमों को लेकर एकमत नजर नहीं आये। 50 फीसदी किराया वृ(का खुला विरोध करने के साथ ही व्यापारियों ने यह भी साफ कर दिया कि वो 1977 के शासनादेश या 2014 के पारित प्रस्ताव के आधार पर किराया वृ(को स्वीकार नहीं करेंगे। व्यापारी किरायेदार जयकुमार ने सुनवाई के दौरान कहा कि वो 1974 से पालिका के दुकान आवंटी के रूप में किरायेदार हैं, वो 1977 से किराया निर्धारण नहीं करायेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि किराया तय करने का आधार वर्तमान को माना जाना चाहिए। इसके साथ ही कई बिन्दुओं पर भी व्यापारियों ने अपनी बात रखी और पालिका की नई नियमावली का मुखर विरोध किया।

भागवती स्कूल में मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज व सरसंघ संचालक की जयंती

मुजफ्फरनगर में भागवती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई मंडी मुजफ्फरनगर में छत्रपति शिवाजी महाराजएवं माधव राव सदाशिवराव

गोलवलकर जी(राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सर संघचालक गुरुजी)की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य वक्ता के रूप में नीशु कौशिक व मीना जैन ने सभी का मार्गदर्शन किया। वंदना विभाग प्रमुख आचार्या नीलम अरोड़ा ने छात्रोंद्वारा छत्रपति शिवाजी की कविता का सुंदर पाठ कराया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या सीमा गोयल ने गुरु जी व शिवाजी महाराज के चरित्र चित्रण को बताते हुए उनके गुणों को अपने आचरण में ढालने की सीख देते हुए शत–शत नमन किया।

मौनी अमावस्या हादसे मामले में हाईकोर्ट में हुई सुनवाई, कोर्ट ने जांच आयोग के कार्यो पर उठाए सवाल

प्रयागराज। महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। इस मामले में याचिका दायर की गई है। याची अधिवक्ता ने कोर्ट के सामने मीडिया रिपोर्ट्स पेश की।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। इस मामले में याचिका दायर की गई है। याची अधिवक्ता ने कोर्ट के सामने मीडिया रिपोर्ट्स पेश की। कहा कि श्खोया–पाया केंद्र पर बिना आधार कार्ड के लापता लोगों के नाम एनाउंस नहीं किए गए। लापता लोगों का आधार कार्ड पेश करना परिजनों के लिए संभव नहीं था। मौके पर त्राहि–त्राहि मची थी। एक नहीं तीन जगह भगदड़ हुई। सरकार ने झूठे आंकड़े पेश किए। अधिवक्ता ने कोर्ट के सामने यह भी कहा कि एंबुलेंस ड्राइवर ने मीडिया को दिए बयान में बताया कि 100 से ज्यादा लाशें ढोई गईं।श

इसके विपरीत सरकार के वकील ने बचाव किया। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि मामले की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया गया है। आयोग घटना के कारणों और भविष्य में घटना से बचने के उपाय बताएगी। कोर्ट ने पूछा कि श्आयोग का काम गोल–मोल क्यों है। घटना के दिन कितनी मौतें हुईं और इसकी जांच कैसे और कौन करेगा?श सरकारी वकील ने बताया कि आयोग घटना के कारणों को जानने और बचाव के सुझाव देने के लिए है न कि मौतों की जानकारी देने के लिए है। हाईकोर्ट ने आयोग के कार्यों पर गंभीर सवाल उठाए और यूपी सरकार से जानकारी तलब की। मामले की अगली सुनवाई सोमवार 24 फरवरी को होगी। कोर्ट ने याची अधिवक्ता की ओर से पेश किए गए वीडियो फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश दिया।

जाम की चपेट में रहा शहर, नए यमुना पुल पर लगी वाहनों की लंबी कतार, एंबुलेंस भी रेंगती रही

प्रयागराज। शहर के कई हिस्से बुधवार को भी भीषण जाम से जूझते नजर आए। लेप्रेसी चौराहे से तीन किलोमीटर पहले से पूरे नए यमुना पर भी सुबह से ही वाहन सड़कों पर रेंगते रहे। शहर के कई हिस्से बुधवार को भी भीषण जाम से जूझते नजर आए। लेप्रेसी चौराहे से तीन किलोमीटर पहले से पूरे नए यमुना पर भी सुबह से ही वाहन सड़कों पर रेंगते रहे। सामान्य तौर पर बाइक और कार से किया जाने वाला करीब 15 मिनट का सफर तय करने में दोघंटे से ज्यादा वक्त लगता रहा। इस दौरान पुल पर चित्रकूट से प्रयागराज जा रही एक एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही। एंबुलेंस से एक महिला को इलाज के लिए प्रयागराज स्थित स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल ले जाया जा रहा था।

एंबुलेंस में मौजूद छवि कुमार ने बताया कि उनकी चाची सड़क हदसे में घायल हो गई थीं। वह चित्रकूट में चार पहिया वाहन की चपेट में आने से घायल हो गई हैं। उन्हें इलाज के लिए चित्रकूट के एक अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन हालत ठीक नहीं होने की वजह से उन्हें प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरु अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। लेकिन, यहां आने के दौरान भीषण जाम लगने से उन्हें अस्पताल पहुंचा पाना मुश्किल हो गया।

नए यमुना पुल पर जाम के चलते स्थानीय लोग और महाकुंभ मे आ रहे श्रद्धालू भी बेहद परेशान हुए। नैनी इलाके में कपड़ा कपड़े का कारोबार करने वाले राकेश चंद्र दुबे ने कहा कि जाम की वजह से हर दिन परेशान होना पड़ रहा है। नैनी से सिविल लाइंस क्षेत्र में जाने का था, लेकिन करीब डेढ़ घंटे से पुल पर ही हूं। जाम के चलते हमारा कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो गया है। जनरल स्टोर की दुकानों में कई सामानों की किल्लत हो गई।

लोकपर्व– पवित्र नदी नर्मदा को समर्पित भक्ति नर्तन लोक व जनजातीय नृत्यों की रसमयी प्रस्तुतियाँ

प्रयागराज। ''देवि नर्मदा के उदगम की कथा सुनाते हैं– किसकी विनती पर हुई प्रकट यह बतलाते हैं''। म.प्र. की जीवन रेखा नर्मदा के उद्धभव, प्रभाव और उनकी पवित्रता को समर्पित कथक नृत्य शैली में नमामि देवि नर्वदा पर भक्ति नर्तन, बुन्देलखण्ड के अहीर समुदाय का अहिराई नृत्य, जनजातीय फाग नृत्य एवं भक्ति संगीत की प्रस्तुतियाँ मध्यप्रदेश मण्डप में उपस्थित श्रद्धालुओं व दर्शकों लोक संस्कृति के लोक रंगों से लुभाती रहीं। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा महाकुम्भ के सेक्टर 07 में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ इन्दौर की हर्षिता शर्मा दाधीच एवं साथियों के म.प्र. की जीवन रेखा नर्मदा को समर्पित आध्यात्मिक भक्ति नृत्य और प्रश्नोत्तर के माध्यम से हुआ। किसकी विनती से हुई प्रकट यह बतलाते है। तीन ताल में निबद्ध, राग पहाड़ी में प्रस्तुत कथक शैली के इस नृत्य में पुराणों में वर्णित मार्कण्डेय ऋषि और धर्मराज के सम्वाद के माध्यम से नर्मदा जी के उत्पत्ति के कथा को मंचित किया गया। कथक नृत्य के माध्यम से भक्ति नृत्य के द्वारा मन को मोह लेने वाली प्रस्तुति ने नर्मदा जी के उत्पत्ति की कथा को जीवन्त कर दिया। इस नृत्य की संरचना पद्मश्री डॉ. पुरू दाधीच ने किया है। यह नवीन विकसित की गई नृत्य शैली है। जिसका शुभारम्भ भगवान श्रीराम के सुपुत्रद्वय लवकुश द्वारा राम भक्ति गायन से किया गया था। नृत्य में कथक नृत्य की बारीकियों को भक्ति संगीत के माध्यम से कथक शैली में प्रस्तुत किया गया। हर्षिता शर्मा दाधीच के निर्देशन में प्रस्तुत इस भक्ति नृत्य में आयुषी मिश्रा, उपमा शुक्ला, राजश्री सोढ़ा, विधि दीक्षित एवं शान्वी मंडलोई ने भाग लिया।

रुट डाइवर्जन से यात्री हुए परेशान, लगा जाम

मुजफ्फरनगर स–जानसठरु यूपी रोडवेज निगम में संविदा की कुछ बसों के ड्राइवर व कंडक्टर किस प्रकार सिर्फ अपने फायदे को देखते हुए यात्रियों से खिलवाड़ करते हैं इसकी बानगी आज देखी गई। मुजफ्फरनगर डिपो पर धामपुर डिपो की बसें नम्बर पर लगी थी, लेकिन कोई बस चालक परिचालक बिजनौर से पहले की सवारी को बैठाने को तैयार नहीं था। आलम यह था कि जानसठ मीरापुर जाने वाली अनगिनत ऐसी सवारी थी जिसके सामने इमरजेंसी थी। लेकिन मौके पर लगी बस संख्या 4699 ध

ाामपुर डिपो के चालक परिचालक ने यात्रियों को साफ कह दिया कि वह जानसठ मीरापुर के यात्री बस में नहीं बैठायेंगे, मीरापुर में जाम है, और वह कुछ ज्यादा किलोमीटर चलाकर अपना नुकसान नहीं कर सकते। मालूम हो जानसठ से बिजनौर जाने के कई विकल्प मार्ग है, जिससे जानसठ यात्रियों को छोड़कर दूसरे रास्ते से भी आसानी से आवागमन हो सकता है जाम से बचा जा सकता था, लेकिन कुछ चालक परिचालकों ने यात्रियों की एक ना सुनी और खाली गाड़ी लेकर ही चले गए, उधर जब इस बाबत एसडीएम जानसठ सुबोध कुमार को अवगत कराया गया तो उन्होंने बताया कि सिर्फ रुट डाइवर्जन है ,जाम नहीं है। धीरे–धीरे आवागमन हो जाता है, उधर मुजफ्फरनगर डिपो के वरिष्ठ अधीक्षक रामेंद्र सिंह को भी अवगत कराया गया जो तत्काल डिपो पर बस रूट पर पहुंचे और उन्होंने सभी यात्रियों की सुविधा के लिए वहां खड़ी बसों को आदेशित किया कि जानसठ व मीरापुर मार्ग के यात्री भी बैठाएं वहा खड़ी बस संख्या 4772 के परिचालक ने परेशान यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचाया । इस खबर को लिखने का यह भी मकसद है कि जाम कभी भी लग सकता है या कोई भी दुर्घटना हो सकती है लेकिन ऐसे में एक विशेष मार्ग के यात्रियों को आपात स्थिति में ऐसे ही छोड़ दिया जाए सिर्फ इस बाबत की कुछ किलोमीटर दूसरे मार्ग से ज्यादा चलना पड सकता है या फिर धीरे धीरे आवागमन हो सकता है यह बिल्कुल गलत है। क्योंकि सुगम यात्रा सुविधा के लिए शासन प्रशासन कटिबद्ध है और हर स्तर पर सुलभ यात्रा के लिए शासन के दिशा निर्देश हैं लेकिन ऐसे में संविदा पर लगी हुई कुछ बस के चालक परिचालक यात्रियों की परवाह न कर सिर्फ अपना लाभ देखते हैं जो गलत है। यदि आज एसडीएम जानसठ सुबोध कुमार और वरिष्ठ अधीक्षक मुजफ्फरनगर डिपो रामेंद्र समय से व्यवस्था ने कराते तो आपात स्थिति में जाने वाले महिलाएं ,बच्चे, बुजुर्ग यात्रियों के सामने काफी दिक्कतों का सामना हो सकता था।

अश्लीलता के खिलाफ श्रीराम कॉलेज में करेंगे हनुमान चालीसा: मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने श्रीराम कॉलेज के प्रबंधन पर अश्लीलता परोसकर समाज को दूषित करने के आरोप लगाते हुए कहा कि समाज में रोष के बावजूद भी श्रीराम कॉलेज प्रबंधन और प्रशासन की ओर से वार्षिकोत्सव में अश्लीलता भरा कार्यक्रम प्रस्तुत करने और नृत्य प्रस्तुतियों के सहारे किन्नर समाज को अपमानित करने के कृत्य पर कोई भी खेद व्यक्त नहीं किया गया है और न ही प्रशासन व शिक्षा विभाग की ओर से इस सम्बंध में कोई कदम उठाया गया है, जो निंदनीय है। संस्था ने जो समय दिया था, वो भी पूरा हो चुका है, अब गुरूवार की सुबह सामाजिक लोगों, युवाओं और अन्य संगठनों के साथ वो खुद श्रीराम पहुंचकर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे और आंदोलन प्रारम्भ किया जायेगा। प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने बुधवार को प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि श्रीराम कॉलेज हमेशा ही विवादों में बना रहता है। शिक्षण संस्थान को भारतीय संस्कृति में मंदिर का दर्जा दिया जाता है। यहां पर संस्कार, संस्कृति और अनुशासन का वातावरण बनाकर युवा पीढ़ी को अपने धर्म, देश

और समाज से जोड़ने के लिए उनको संस्कार आधारित शिक्षा दिये जाने की व्यवस्था प्राचीनकाल से रही है, लेकिन श्रीराम कॉलेज ने इस व्यवस्था के विपरीत फूहड़ता, अश्लीलता और बेशर्मी का वातावरण बनाकर युवाओं को भ्रमित करने का काम किया है। हाल ही में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान जिस प्रकार से कलाकारों और कॉलेज के छात्र छात्राओं के सहारे अश्लीलता से परिपूर्ण असामाजिक गतिविधियों का खुला प्रदर्शन श्रीराम कॉलेज के प्रबंधन और प्रशासन के द्वारा कराया गया, वो सभ्य समाज में पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हमारी संस्था इसकी निंदा करती है। इससे लिए हमने आवाज उठाते हुए शिक्षा विभाग और प्रशासन को चेताया था कि मंगलवार तक कार्यवाही नहीं हुई तो संस्था के पदाधिकारियों और समाज को साथ लेकर हम आंदोलन करेंगे, लेकिन इसके बावजूद भी न तो श्रीराम कॉलेज के चेयरमैन डॉ. एससी कुलश्रेष्ठ ने समाज के सामने आकर खेद जताया और न ही प्रशासन ने कार्यवाही की है। इससे समाज में रोष है। मनीष चौधरी ने कहा कि संस्था ने निर्णय लिया है कि गुरूवार को प्रातः सवा ग्यारह बजे वो स्वयं और संस्था के पदाधिकारी केपी चौधरी, फैजुरहमान समाज के लोगों के साथ श्रीराम कॉलेज परिसर में पहुंचेंगे और वहां पर ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ मिलकर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया जायेगा। इसमें अनेक सामाजिक संगठनों का समर्थन भी हमें मिल रहा है। कुछ हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों ने भी आंदोलन में साथ आने की बात कही है। युवा संगठनों के पदाधिकारी भी इसमें साथ आयेंगे। इसके लिए पुलिस प्रशासन को भी अवगत करा दिया गया है। यदि हमारे किसी भी व्यक्ति के साथ श्रीराम कॉलेज में कोई घटना घटित होती है तो इसकी जिम्मेदारी कॉलेज और पुलिस प्रशासन की होगी।

खीरी में 136 केंद्रों पर होगी यूपी बोर्ड परीक्षाः हर स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, डीएम ने दीं शुभकामनाएं

24 फरवरी से शुरू होगी बोर्ड परीक्षा, नकलविहीन, शांतिपूर्ण माहौल में कराने की तैयारियां पूरी

लखीमपुर खीरी 18 फरवरी। जनपद में बोर्ड परीक्षा 2025 को शुचितापूर्ण वातावरण में नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से मंगलवार की शाम जिला मुख्यालय पर गुरुनानक इंटर कॉलेज सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ने जोनल, सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक ली। बैठक का संचालन डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि सभी केंद्र व्यवस्थापक प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों के बैठने, पार्किंग, पेयजल, प्रकाश व शौचालय का इंतजाम करा लिया जाए। जिला प्रशासन बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन आयोजित कराने के लिए कटिबद्ध है। किसी भी परीक्षार्थी को मोबाइल अथवा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के साथ ही एसपी संकल्प शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम व सीओ संयुक्त रूप से अपने क्षेत्र में आने वाले परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले लें। सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि सभी केंद्र व्यवस्थापक निर्भीक होकर अपने उत्तरदायित्वों का पालन करें। यदि कोई भी व्यक्ति परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा की एसओपी का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कीजिए।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रत्येक प्रत्येक सेक्टर व जोन के लिए 01–01 सेक्टरध्जोनल मजिस्ट्रेट नामित किये गये हैं। सभी 136 परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति के साथ–साथ शासन के निर्देशानुसार अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक तथा स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी तैनात किये गये हैं। परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र खुलने से लेकर उत्तर पुस्तिकाएं जमा होने तक की समस्त प्रक्रिया की निगहबानी सीसीटीवी कैमरों द्वारा की जायेगी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार व परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये जायेंगे। संपूर्ण प्रक्रिया की दो–दो सीडी बनाकर डीआईओएस को उपलब्ध करानी होगी।

बैठक के दौरान डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा 2025 के लिए जनपद में कुल 136 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा 24 फरवरी से 12 मार्च तक दो पालियों में सम्पन्न होगी। प्रथम पाली प्रातः 08रू30 बजे से पूर्वान्ह 11रू45 बजे तक, द्वितीय पाली अपरान्ह 02 बजे से अपरान्ह 05रू15 बजे तक का समय निर्धारित है। बोर्ड परीक्षा में कुल 98208 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिसमें बालिकाओं की संख्या 43228 है। इण्टरमीडिएट में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 48305 है, जिसमें 21222 बालिका तथा हाईस्कूल में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 49903 है, जिसमें बालिकाओं की संख्या 22006 है। सभी परीक्षा केंद्रों को 07 सेक्टर व 13 जोन में विभाजित किया है।

बैठक के दौरान जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेटों, केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों तथा अन्य सम्बन्धित को परीक्षा से पूर्व, परीक्षा के दौरान व परीक्षा के बाद की समस्त प्रकिया व शासन तथा बोर्ड के दिशा–निर्देशों की जानकारी प्रदान की गई।बैठक में अफसरों ने बोर्ड परीक्षा के संबंध में कायदे कानून बताते हुए सारगर्भित विचार रखें। इस मौके पर एएसपी (पूर्वी) पवन गौतम, डीआईओएस डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह, बीएसए प्रवीण तिवारी, सभी एसडीएम, सीओ, गुरु नानक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ईशविंदर सिंह मौजूद रहे।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने 24 फरवरी से प्रारंभ हो रहे बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों को शुभकामनायें दी हैं। विद्यार्थी परीक्षा को लेकर अनावश्यक तनाव न लें और अंतिम समय में रिविजन पर फोकस करें।

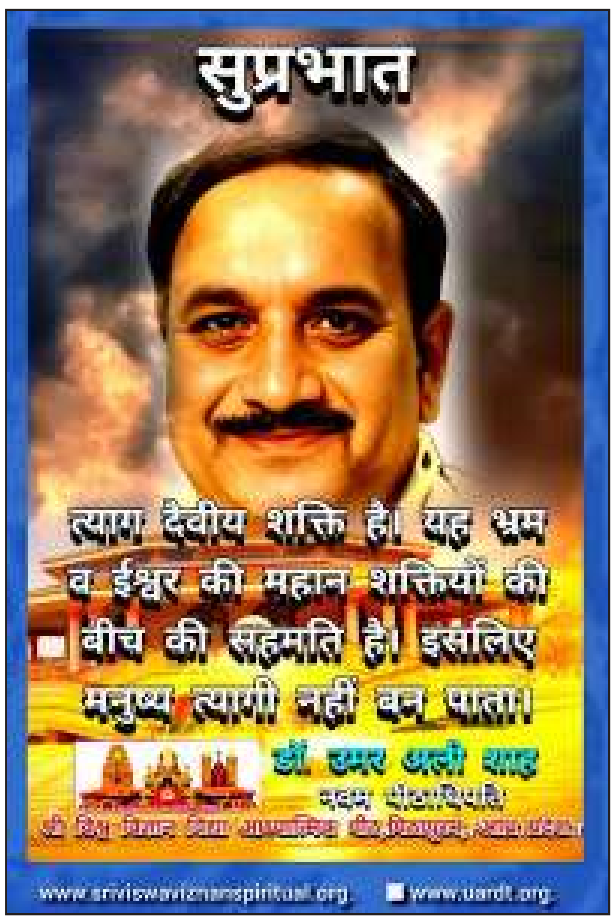

सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल में विधिक सेवा जागरूकता शिविर का आयोजन

भोपा ससेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक सेवा जागरूकता शिविर के तहत एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना, स्वागत गीत व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला न्यायाधीश रितेश सचदेवा ने साइबर

सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम विषय पर छात्र छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपना ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने, हमेशा सुरक्षित वेबसाइटों का उपयोग करने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने की महत्वपूर्ण सलाह दी। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सोच–समझकर उपयोग करने, सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने तथा केवल सकारात्मक और ज्ञानवर्धक उद्देश्यों के लिए ही इस्तेमाल करने की सलाह दी।गौरव कुमार ने विद्यार्थियों से चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, महिला हेल्पलाइन नंबर और साइबर क्राइम संबंधी शिकायतों के लिए आवश्यक हेल्पलाइन नंबर साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को इन हेल्पलाइन सेवाओं के महत्व और उनके सही उपयोग के बारे में जानकारी दी, जिससे वे किसी भी आपातस्थिति में तुरंत मदद प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान मोक्षी, मानसी, ब्रेवजोत, प्रीत सहित कई विद्यार्थियों ने अपने–अपने प्रश्न पूछे, जिनका जिला न्यायाधीश रितेश सचदेवा ने बेहद प्रभावी तरीके से उत्तर दिया। उनकी विस्तृत और सहज व्याख्या से विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली। कार्यक्रम के समापन पर शैक्षणिक सत्र 2024–25 पाठ्योतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सीएमपीमहाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय मेंबैक्टीरिया पास के क्लीनिकल एप्लीकेशनपरव्याख्यान का आयोजन किया गया ।मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर गोपाल नाथआई एम एस माइक्रोबायोलॉजी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने बैक्टीरियोफेज के ऊपरअपने विचार साझा किया और बतलाया की बैक्टीरियोफेज हमारे जीवन में कितना उपयोगी है बैक्टीरियोफेज की सहायता से हम लोग किसी भी पुराने से पुराने रोगों को ठीक कर सकते हैं सेप्टीसीमिया से

पीड़ित रोगी जिन पर कोई भी एंटीबायोटिक काम नहीं करता है उनका इलाज बैक्टीरियोफेज की सहायता से किया जा सकता है व्याख्यान के दूसरे सत्र में डॉक्टर जनार्दन कुमार माइक्रोबायोलॉजिस्ट वेसर कालेज पू एस ए नेअपना व्याख्यान हाइब्रीडोमा टेक्नोलॉजी पर प्रस्तुत किया व बताया कि हम लोग किस प्रकार से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी बना सकते हैं और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी से किसी भी प्रकार के रोगों को ठीक किया जा सकता है उन्होंने मोनोक्लोनल एंटीबॉडी बनाने के कई प्रकार की वीडियो को साझा किया और बतलाया कि हमारे देश मेंमोनोक्लोनल एंटीबॉडीके बैंक की आवश्यकता हैजो हमारे देशवासियोंके रोगों को ठीक करने के लिए बहुत उपयोगी होगा ।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने डॉक्टर जनार्दन कुमार के साथ बिताए हुए अपने अनुभवों को साझा किया व बताया की डॉक्टर जनार्दन कुमार वी प्रोफेसर गोपाल नाथ के अनुभवो का लाभ हमारे विद्यार्थी उठा सकेंगे । कार्यक्रमकी संचालन कर रही विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता श्रीवास्तव नेसर लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया व आभार प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम में विभाग के प्रोफेसर संजय सिंह प्रोफेसर मंजू श्रीवास्तव डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉक्टर विजय प्रताप सिंह डॉक्टर यशवंत कुमार डॉक्टर दीपक कुमार आदि उपस्थित रहे।

परीक्षाएं चुनौतियां हैं जिनका सामना तनाव रहित होकर करना है: डॉ अखिलेश यादव

भावना मिस फेयरवेल व अमन मिस्टर फेयरवेल बने

मथुरा।राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा में आयोजित विदाई एवं आशीर्वाद समारोह का उद्घाटन प्रधानाचार्य डॉ अखिलेश यादव

ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। विद्यार्थियों द्वारा पेपर डांस, अंताक्षरी एटीट्यूड गुड कोट्स, कैटवॉक, मॉडलिंग, फैशन शो, के साथ–साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में भावना मिस फेयरवेल व अमन मिस्टर फेयरवेल चुने गए। प्रधानाचार्य अखिलेश यादव द्वारा इस अवसर पर एक कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। प्रधानाचार्य डॉ अखिलेश यादव ने विद्यार्थियों को बताया कि परीक्षा बिना तनाव के देनी होगी। परीक्षाएं वास्तव में जीवन में आने वाली चुनौतियो के लिए स्वयं को तैयार करने की पहल है। आगामी जीवन में स्वयं को इतना मजबूत रूप में तैयार करना होगा की आकस्मिक रूप से आने वाली समस्त बढ़ाओ को पार करते हुए आगे बढ़ सके।

28 फरवरी तक लाडली जी मंदिर के यात्री टीन शेड का कार्य होगा पूरा, 30 अप्रेल तक बनेगी चिकसौली पर्यटक सुविधा केंद्र

– मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने बरसाना के साथ वृंदावन में हनुमत विहार और गोविंद विहार आवासीय योजनाओं का किया निरीक्षण

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ और मथुरा वृंदावन विकास परिषद के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने सोमवार को वृंदावन और बरसाना में विकसित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दरम्यान निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए सभी परियोजमाओं में प्रयुक्त की जाने वाली ईंटों की टेस्टिंग के बाद ही उनके उपयोग की अनुमति दिए जाने के निर्देश दिए।

सबसे पहले उन्होंने मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा वृंदावन क्षेत्र में विकसित की जा रहीं हनुमत विहार और गोविंद विहार आवासीय योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान गोविंद विहार में पार्क, गेट और मुख्य चौराहों के विकास

में देरी पर नाराजगी जताई। इसके लिए मंगलवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक बुला ली है, जिससे कार्य में हो रही देरी के कारणों का तत्काल समाधान किया जा सके। हनुमत विहार के निरीक्षण में प्लाट एरिया में कुछ पेड़ों के कारण उक्त स्थल को पार्क और पार्क स्थल को प्लाट में बदलने के निर्देश दिए, जिससे पेड़ों को बगैर नुकसान पहुंचाए ही परियोजना को पूरा किया जा सके। इसके साथ ही यहाँ एसटीपी स्थल का निरीक्षण किए। इसके निर्माण में देरी भी कारण मंगलवार की बैठक में रखने के निर्देश दिए। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने हनुमत विहार आवासीय योजना के मुख्य गेट और उससे जुड़ी बाउंड्री को खूबसूरत लुक देने के भी निर्देश दिए। यहाँ रेन वाटर हार्वेस्टिंग की और बेहतर व्यवस्था, अंदर

के मार्ग पर डिवाइडर और उस पर ग्रीनरी के निर्देश दिए।

इसके बाद श्याम बहादुर सिंह ने बरसाना स्थित राधा बिहारी इंटर कालेज में निर्माणाधीन टीएफसी को देखा। यहाँ कार्य की गुणवत्ता तथा निर्माण की गति को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए वेसमेंट और ग्राउड लेवल पर मजदूर लगाकर कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही एक्सईएन को निर्माण सामग्री की नियमित टेस्टिंग और परियोजना की डिजायन, मुख्य हिस्सों का साइनेज लगाने को कहा, जिससे निरीक्षण के वक्त परियोजना की सम्पूर्ण जानकारी संबंधित अधिकारी को मिल सके। इसके बाद उन्होंने बरसाना में नगरीय अवस्थापना निधि से बन रहे 12 वाटर एटीएम, दो टॉयलेट, दो बड़े और चार छोटे यात्री शेड को भी देखा। ईटों पर सफेद ध ाब्बे देखकर उनकी टेस्टिंग के निर्देश दिए। कहा कि सभी परियोजना में टेस्टिंग के बाद ही ईंटों को प्रयोग में लाने की अनुमति दी जाए। मंदिर मंदिर के रास्ते में बन रहे यात्री शेड का निर्माण 28 फरवरी तक पूरा करने को कहा। यहाँ से चिकसौली पहुंच कर उन्होंने पर्यटक सुविधा केंद्र के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कार्य संतोष जनक मिला। इसे 30 अप्रेल तक पूरा करने के निर्देश दिए, जिससे इस टीएफसी से जुड़े कार्य भी शुरु किए जा सकें। जिसमें पीछे के तालाब का सौंदर्यीकरण, पार्किंग, बाउंड्री आदि शामिल है।

विप्रा उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि सोमवार को उन्होंने इंजीनियरों के साथ गोविंद विहार, हनुमत विहार आवासीय योजना और बरसाना की कई निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण किया है। संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम, अमरदीप सहित परियोजनाओं के सहायक और अवर अभियंता भी मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार सेना के जवान की मौत

अपनी शादी के कार्ड बांट कर घर लौट रहा था जवान, पांच दिन बाद होनी थी शादी

मोरना ससशस्त्र सुरक्षा बल के जवान प्रशांत पाल की भोकरहेडी बरला मार्ग पर ट्रक की टक्कर लगने से मौके पर ही मौत हो गई। प्रशांत अपनी शादी के कार्ड बांटकर बाइक द्वारा वापिस घर लौट रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया तथा ट्रक को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। जवान की मौत से परिवार में मातम छा गया है व कस्बे में शोक की लहर दौड गई है।

थाना भोपा क्षेत्र के कस्बा भोकरहेडी के मौहल्ला कुआंपट्टी निवासी सतपाल का 28 वर्षीय पुत्र प्रशांत पाल 2021 में सशस्त्र सुरक्षा बल में सैनिक के रूप में भर्ती हुआ था। वर्तमान में प्रशांत की तैनाती लखीमपुर जनपद के पलिया में थी। आगामी 25

फरवरी को प्रशांत की बारात सरधना में जानी थी। पिछले कई दिनों से प्रशांत अपनी शादी के कार्ड बांटने में व्यस्त था। बुधवार की दोपहर प्रशांत शादी के कार्ड बांटकर बसेडा की ओर से वापस घर आ रहा था। जैसे ही वह भोकरहेडी बसेडा मार्ग पर स्थित विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल के सामने पहुंचा तभी भोकरहेडी की ओर से आ रहे ट्रक ने उसे चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया, उप निरीक्षक शैलेन्द्र, देवपाल सिंह ने घटना की जानकारी की तथा पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया।

मुजफ्फरनगर के लेखक/समाजसेवी के द्वारा सुभाष चौहान को एक बेहतरीन व्यक्तित्व के स्वामी की संध्या से नवाजा

मुजफ्फरनगर सअपनी अलग और विशिष्ट पहचान रखने वाले सुभाष चौहान को लेखक नादिर राणा ने अपनी लिखित

पुस्तक फूलों कहा गुलदस्ता भेंट की, लेखक नादिर राणा ने कहा कि शिष्टाचार मुलाकात में नामित सदस्य स्वास्थ्य विभाग और वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष चौहान से वार्तालाप में बहुत से मुद्दों पर चर्चा हुई, चौहान एक संघर्षशील और निर्भीक इंसान हैं तथा सभी के सुखदुख में भागीदार रहते हैं, सभी धर्म वर्ग के लोगों का आदर सम्मान करते हैं, यही कारण है कि अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते आ रहे हैं और सभी के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं।

रज्जू विवि में मारीशस की संस्कृत विदुषियों का शैक्षणिक भ्रमण

प्रयागराज। मारीशस की संस्कृत विदुषियां लक्ष्मी, तृषा, पार्वती ने प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय कैंपस में भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से संस्कृत विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय विदुषियों को कैंपस में आमंत्रित किया। संस्कृत विभाग के अध्यापक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा के नेतृत्व में मारीशस की इन तीनों विदुषियों ने शैक्षणिक भवन, पुस्तकालय, मल्टीपरपज हाल, हेल्थ सेंटर, प्रशासनिक भवन , सूचना केन्द्र, पुष्प वाटिका इत्यादि का उल्लासपूर्ण अवलोकन किया। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त के सान्निध्य में इन तीनों विदुषियों ने शिक्षक एवं विद्यार्थीगणों के साथ संवाद भी किया।

सम्पादकीय.....

दूरदर्शिता और जवाबदेही की विफलता

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भयावह भगदड़ में जिन 18 लोगों की जान गई, उसे महज दुर्घटना नहीं कहा जा सकता। सही मायने में यह योजना, दूरदर्शिता और जवाबदेही की विफलता थी। जैसा कि पहले से पता था कि रोज हजारों तीर्थयात्री प्रयागराज महाकुंभ के लिये ट्रेनों में चढ़ने के लिये उमड़ रहे थे, अधिकारी उस भारी भीड़ का अनुमान लगाने और उसे प्रबंधित करने में विफल रहे। जिसके चलते यह दुखद हादसा घटित हुआ। पूर्व रेल मंत्री पवन बंसल समेत कई विपक्षी नेताओं ने रेल मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग है। उनका कहना है कि यात्रियों की अप्रत्याशित संख्या में वृद्धि को देखते हुए भीड़ नियंत्रण के लिये उपाय करने में सरकार विफल रही है, जो एक गंभीर चूक है। निस्संदेह, महाकुंभ पहली बार नहीं हो रहा है। रेलवे यातायात संचालन में इसके पैमाने और प्रभाव का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद इस त्रासदी का सामने आना कई सवालों को जन्म देता है। सवाल मृतकों व घायलों को दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर भी है। जबकि सामान्य दिनों में वर्ष 2023 की मुआवजा निर्देशिका में निर्धारित मुआवजा राशि में बड़ा अंतर है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार प्रणालीगत मुद्दों को ठीक करने के बजाय नकद भुगतान बढ़ाकर तंत्र की साख को हुई क्षति की पूर्ति का प्रयास कर रही है। यही वजह है कि विपक्षी दल रेलमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना की लीपापोती को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसे रेल हादसों के वक्त रेलमंत्री के रूप में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए लाल बहादुर शास्त्री और नीतीश आदि ने अपने पद से त्यागपत्र दिए थे। दरअसल, इस्तीफे से परे रेलवे में प्रणालीगत सुधार की भी आवश्यकता है। भारतीय रेलवे को अपने भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल में सुधार करने की जरूरत है। खासकर धार्मिक पर्वों और त्योहार की भीड़ के दौरान अतिरिक्त सावधानी की जरूरत महसूस की जाती है।सही मायनों में दिल्ली समेत तमाम रेलवे स्टेशनों में तीर्थयात्रियों की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए टिकटों के वितरण और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर जिस संवेदनशील प्रशासन की जरूरत थी, वह नजर नहीं आया। ट्रेनों के आने के समय और उनके स्थगित होने पर कारगर वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत थी,वह नजर नहीं आई। दिल्ली हादसे के बारे में कहा जा रहा है कि एक नाम की दो ट्रेनों को लेकर मची भगदड़ हादसे की वजह बनी। एक अनुमान के अनुसार रेलवे प्रयागराज जाने वाले यत्रियों के लिए हर घंटे डेढ़ हजार सामान्य टिकट जारी कर रहा था। जिसके चलते प्लेटफॉर्मों पर तिल धरने की जगह नजर नहीं आ रही थी। निश्चित जगह में बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने तथा सीमित मात्रा में टिकट जारी करने की जरूरत थी। पैदल यात्रियों के लिये बने ओवरब्रिज पर लोग पहले ही बैठे थे और नई ट्रेन के आने की घोषणा से मची भगदड़ में कुछ लोग गिरे तो अन्य कई लोग गिरते गए, और दुखद हादसा हो गया। अनुमान लगाना चाहिए था कि सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, उसी हिसाब से चौकस सुरक्षा तथा ट्रेनों का संचालन व टिकट वितरण किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में तीर्थ यात्रियों के रेल में असुरक्षित सफर करने के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार आ रहे थे। यहां तक कि कंफर्म टिकट वाले यात्री भी ट्रेनों में जगह नहीं पा रहे थे। आरक्षित डिब्बों में घुसने के लिये टकराव तक देखा जा रहा था। रेलवे को सुनिश्चित करना चाहिए था कि सफर के लिये यात्री अपनी जान को जोखिम में न डालें। यात्रियों के स्तर पर भी जिम्मेदार व अनुशासित व्यवहार होना चाहिए था। तीर्थयात्रियों में जो संयम व धैर्य होना चाहिए, वह भी अव्यवस्था के चलते चूकता नजर आया है। सही मायनों में तीर्थयात्री यदि अपनी सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें तो ऐसे हादसे टाले जा सकते हैं। दरअसल, भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में भीड़ प्रबंधन के वैज्ञानिक तौर–तरीके अपनाये जाने की जरूरत है। मुट्ठीभर पुलिसकर्मियों के सहारे भीड़ नियंत्रण संभव नहीं है। बहरहाल, हादसे की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

नया टैक्स बिल 2025: पारदर्शिता या डिजिटल निगरानी?

सचिन श्रीवास्तव

नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन–देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंचने की अनुमति दी गई है।

भारत सरकार ने नया टैक्स बिल 2025 संसद में पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कर प्रणाली को सरल बनाना और कर प्रशासन को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत बनाना है। यह विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जगह लेगा और 2026 से प्रभावी होने की संभावना है। यह न केवल करदाताओं के लिए बल्कि भारत की आर्थिक और डिजिटल संरचना के लिए भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन–देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंचने की अनुमति दी गई है। सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है। विधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, असेसमेंट ईयरच्य को टैक्स ईयरश से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। पहली बार क्रिप्टो करेंसी को कर कानून के दायरे में लाया गया है। अब इसे अघोषित आय की श्रेणी में रखा गया है और कर अधिकारियों को डिजिटल संपत्तियों की जब्ती का अधिकार दिया गया है। इससे क्रिप्टो निवेशकों में चिंता बढ़ सकती है और निवेश प्रवृत्तियों में बदलाव आ सकता है। यदि कोई एनआरआई भारत में रुपए 15 लाख या उससे अधिक की आय अर्जित करता है, तो उसे भारतीय करदाता माना जाएगा। इससे भारत में निवेश करने वाले अनिवासी भारतीयों पर प्रभाव पड़ सकता है। टैक्स प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की कोशिश निवेशकों के लिए भारत को अधिक आकर्षक बना सकता है। हालांकि, डिजिटल निगरानी का बढ़ा हुआ दायरा विदेशी कंपनियों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। सरल भाषा और पारदर्शिता कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद कर सकती है। करदाता अब जटिल कानूनी प्रावधानों से बच सकेंगे, जिससे सरकार को अधिक राजस्व मिल सकता है। सरकार का बढ़ता डिजिटल हस्तक्षेप नागरिकों की निजता पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यदि डेटा सुरक्षा कानून मजबूत नहीं किए गए, तो यह विधेयक सरकार के लिए आलोचना का कारण बन सकता है। क्रिप्टो करेंसी पर सख्त नियमों से इस क्षेत्र में निवेश की गति धीमी हो सकती है। निवेशक अधिक लचीले कर नियमों वाले देशों की ओर रुख कर सकते हैं। सरकार कर अधिकारियों को डिजिटल निगरानी का अत्यधिक अधिकार दे रही है, जिससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह निगरानी राज्य के रूप में सरकार की छवि बना सकता है। नए डिजिटल अनुपालन मानदंडों को पूरा करना छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए कठिन हो सकता है। इससे उनका प्रशासनिक खर्च बढ़ सकता है। विधेयक में कर दरों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। यदि उच्च कर दरें लागू की जाती हैं, तो इससे मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। भारत में 15 लाख से अधिक कमाने वाले एनआरआईएस को निवासी करार देने से कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। इससे विदेशी निवेश और प्रवासी भारतीयों के भारत में व्यापार करने की इच्छा प्रभावित हो सकती है। सरकार का यह कदम कर चोरी को रोकने और कर संग्रह बढ़ाने में मदद कर सकता है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो भारत की कर व्यवस्था अधिक कुशल और पारदर्शी बन सकती है। इस विधेयक में निगरानी संबंधी प्रावधानों के कारण नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए मजबूत डेटा सुरक्षा कानून बनाना आवश्यक होगा। भारत में क्रिप्टो करेंसी के लिए स्पष्ट कर नियम आवश्यक होंगे, ताकि निवेशकों को अनिश्चितता से बचाया जा सके और सरकार को राजस्व का लाभ मिल सके। भले ही यह विधेयक टैक्स प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लगातार अद्यतन करने की जरूरत होगी ताकि यह बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीकी परिदृश्य के अनुकूल बना रहे। नया टैक्स बिल 2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने का प्रयास करता है। यह डिजिटल कराधान, क्रिप्टो करेंसी और अनिवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, इसमें निजता की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी के दुरुपयोग, छोटे व्यवसायों पर प्रभाव और विदेशी निवेश पर संभावित असर जैसी चुनौतियां भी हैं। यदि सरकार इन खामियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाती है, तो यह विधेयक भारत की कर प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार ला सकता है।

झूठ के कुंभ में अनास्था की डुबकी

राजेंद्र शर्मा

हैरानी की बात यह नहीं है कि शासन और रेलवे प्रशासन को आखिरकार, शनिवार 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में, अठारह मौतों और कई लोगों के घायल होने की बात स्वीकार करनी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि शासन और रेलवे प्रशासन ने भगदड़ और उसमें मौतों के तथ्य को ही नकारने की तमाम कोशिशें की थीं। लेकिन, शायद इस बार के कुंभ के सिलसिले में जान गंवाने वालों के परिजनों की किस्मत में, इन मौतों का इस तरह नकारा जाना ही लिखा है। नई–दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर ही पर्दा डालने की जैसी कोशिशें की गयी थीं, वही सब इससे पहले प्रयागराज में कुंभ स्नान भगदड़ के मामले में किया चुका था। सच तो यह है कि प्रयागराज भगदड़ मामले को छुपाने की कोशिशें और भी दूर तक जारी रही थीं बल्कि जानकारों के अनुसार तो अभी तक यह सिलसिला किसी न किसी रूप में जारी ही है। प्रयागराज मामले में भी, पहले कई घंटे तक तो अफवाह करार देकर, भगदड़ की किसी भी घटना को नकारने की ही कोशिश की गयी थी। फिर कुछ और घंटे बाद, भगदड़ जैसी होने और उसमें कुछ लोगों के चोटिल होने की बात मानी गयी। और घटना के पूरे उन्नीस घंटे बाद ही भगदड़ में तीस मौतों और करीब दर्जन भर लोगों के घायल होने की बात मानी गयी। यह दूसरी बात है कि तब तक यूट्यूबरों तथा मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से द्वारा दी जा चुकी खबरों के अनुसार, पूरे मेला क्षेत्र में उस दिन एक नहीं तीन स्थानों पर भगदड़ की घटनाएं हुई थीं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या, सरकार द्वारा दिए गए तीस के आंकड़े से तीन गुनी नहीं तो, दोगुनी से ज्यादा जरूर थी। पीयूसीएल की खोजी टीम की रिपोर्ट के अनुसार, मौतों की कुल संख्या को कम कर के दिखाने के लिए शासन ने तीन अलग–अलग अस्पतालों में पोस्टमार्टम कराने समेत, तरह–तरह के हथकंडों का सहारा लिया था। बहरहाल, मौतों तथा घटनाक्रम के सरकारी दावों पर सवाल खड़े करने वाली तमाम रिपोर्टों तथा सामने आयी तमाम जानकारियों का योगी सरकार ने नोटिस तक लेने से इंकार कर दिया और सारी खबरों की ओर से आंख–कान बंद कर के सरकार, इस उम्मीद में कि उसके प्रचार के सामने सब कुछ भुला दिया जाएगा, सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा होने का अपना ढोल पीटने में लग गयी। इसी के हिस्से के तौर पर पहले उप–राष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति को ही नहीं, देश के सबसे बड़े धनपतियों में से एक, अंबानी परिवार को बाकायदा वीवीआईपी स्नान कराया गया। उप–राष्ट्रपति ने तो भगदड़ में तीस मौतों की बात तब तक स्वीकार कर लिए जाने के बावजूद, कुंभ की व्यवस्थाओं को न भूतो न भविष्यति का बाकायदा सर्टिफिकेट ही दे दिया था। जाहिर है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे या उनसे जुड़े लोगों के वीवीआईपी दर्जे पर, खूनी भगदड़ के बाद जारी इस सरकारी आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला था कि सारे वीआईपी पास निरस्त किए जाते हैं। वास्तव में, विभिन्न रिपोर्टों में प्रयागराज में हुई भगदड़ के मुख्य कारणों में कुंभ की वीआईपी संचालित व्यवस्था को सबसे प्रमुख माना गया था, जिसमें मेला क्षेत्र और रास्तों के बड़े हिस्से को, वीआईपी गण के लिए सुरक्षित करने के जरिए, आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध जगह और रास्तों को, उनकी भारी भीड़ को देखते हुए, और भी छोटा कर दिया गया था। इसी तरह,नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ और मौतों की पर्दापोशी की कोशिशों में शीर्ष पर दिल्ली के लेफ्टीनेंट गवर्नर से लेकर रेल मंत्री तक शामिल थे। हद तो यह थी कि हादसे की जानकारी मिलने पर लेफ्टीनेंट गवर्नर ने भगदड़ और उसमें हुई मौतों पर खेद जताते हुए जो ट्वीट किया था, उसे तब वापस ले लिया गया, जब लेफ्टीनेंट गवर्नर को इसका एहसास हुआ या यह याद दिलाया गया कि संभवतरू सरकार पूरी घटना पर ही पर्दा डालना चाहती है। लेफ्टीनेंट गवर्नर ने अब संशोधन कर के नया ट्वीट जारी किया, जिसमें भगदड़ और मौतों, दोनों का जिक्र गायब किया हो चुका था। जाहिर है कि अंत में एक बार फिर जगहंसाई कराते हुए, लेफ्टीनेंट गवर्नर को घटना में मौतों पर शोक जताना ही पड़ा। कुछ ऐसी ही जगहंसाई रेल मंत्री के भी हिस्से में आयी। बहरहाल, सत्ता में बैठे लोगों के जगहंसाई की परवाह न करते हुए, सत्ता के झूठे आख्यान बल्कि झूठे प्रचार तथा दावों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर होने में तो अब शायद ही कोई हैरानी की बात रह गयी है। लेकिन दुर्भाग्य से अब हैरानी की बात मुख्य धारा के मीडिया के बड़े हिस्से के तत्परता से इस खेल में हिस्सेदार बन जाने में भी नहीं रह गयी है। लेफ्टीनेंट गवर्नर से भी ज्यादा हंसी का पात्र बनते हुए, समाचार एजेंसी श्एएनआईश ने पहले पूरी वफादारी से लेफ्टीनेंट गवर्नर का हादसे पर दुरूख जताने वाला ट्वीट प्रकाशित किया। उसके बाद उसी एजेंसी ने बिना किसी टीका–टिप्पणी के लेफ्टीनेंट गवर्नर का ना कोई भगदड़, ना कोई मौत वाला संशोधित ट्वीट प्रकाशित किया। और अंततरू उतनी ही वफादारी से मौतों पर खेद जताने वाला ट्वीट जारी किया।

सभी जानते हैं कि मुख्यधारा के मीडिया के अधिकांश हिस्से और सोशल मीडिया के भी बड़े हिस्से के गोदीकरण के बल पर ही, भगदड़ में बड़ी संख्या में मौतों जैसी आसानी से न छिपाई जा सकने वाली सच्चाइयों पर भी, मौजूदा निजाम न सिर्फ पर्दा डालने की जुर्रत कर पाता है बल्कि उन पर पर्दा डालने की कोशिशों में काफी हद तक कामयाब भी हो जाता है। मौजूदा निजाम की इस कामयाबी का एक प्रमुख रूप यह भी है कि जिन सच्चाइयों को पूरी तरह से दबाना ही संभव न हो उन्हें भी, उजागर हो जाने के बाद भी, मीडिया पर इसी नियंत्रण के सहारे जल्द से जल्द चर्चा से बाहर करने के जरिए, दफ्न कर दिया जाता है। प्रयागराज भगदड़ की मौतों के मामले में ठीक यही हुआ है। और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ के मामले में भी ठीक यही करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के हिस्से के तौर पर नई दिल्ली स्टेशन भगदड़ के मामले मृतकों के परिवारजनों को, रात में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद न सिर्फ शव सौंप दिए गए बल्कि सरकार के अपने तमाम नियम–कायदों को ताक पर रखकर, परिजनों को दस–दस लाख रुपए की नकद सहायता राशि भी मुंह अंधेरे ही पकड़ा दी गयी। मकसद यही था कि परिवारजन जल्द से जल्द लाश लेकर, मीडिया और खबरों से दूर, अपने गांवों के लिए निकल जाएं। खबरों के अनुसार, पुलिस के सिपाहियों के साथ वाहनों से लाशों को जल्द से जल्द रवाना करने पर ही सारा जोर था। ऐसा लगता है कि प्रयागराज की घटना से पर्दापोशी का यही सबक दिल्ली प्रकरण को संभालने वालों ने लिया था।प्रयागराज प्रकरण के विपरीत, उन्होंने लाशों को जल्द से जल्द, घटनास्थल से दूर से दूर भिजवाने का, पूरा इंतजाम किया था। हैरानी की बात नहीं है कि भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख, अमित मालवीय ने रविवार को ही इसकी तस्वीरें ट्विटर पर भी डालनी शुरू कर दी थीं कि कैसे नई–दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सब कुछ सामान्य था! आशय यह कि इसके बाद, भगदड़ और मौतों की चर्चा पर पटाक्षेप हो जाना चाहिए। बेशक, दुर्घटनाओं समेत अप्रिय घटनाओं की सच्चाइयों के सत्ताधारियों द्वारा एक हद तक छुपाए जाने में कुछ भी असामान्य नहीं है। आखिरकार, ऐसी घटनाओं से शासन तथा सत्ताधारियों की कुशलता पर सवाल उठते हैं और इन सवालों को दबाने की कोशिश में, सच्चाइयों को छुपाने की कोशिश भी की जाती है। ऐसा करने से अपवाद स्वरूप, केरल की कम्युनिस्ट सरकार जैसी कोई ऐसी सरकार ही बची रह सकती है, जो ऐसी किसी भी मुश्किल के समय में अपनी समुचित सक्रियता और जन–भागीदारी सुनिश्चित करने की तत्परता से, लोगों का भरोसा जीत सकने का विश्वास रखती हो। लेकिन, नरेंद्र मोदी के राज में तो जनता की दुरूख–तकलीफ की सच्चाइयों को, सिरे से नकारने को ही नियम या नया नॉर्मल बना दिया गया है। पहली बार नोटबंदी के समय में बड़े पैमाने पर यह देखा गया था। उसके बाद, कोरोना के समय पर, प्रवासी मजदूरों की तकलीफदेह पैदल घर वापसी से लेकर, आक्सीजन तथा अस्पतालों में बैडों की कमी तथा श्मशानों में कतारों तक की सच्चाइयों को जिस बेशर्मी से नकारने का अभ्यास किया गया, उसके बाद से बराबर जारी ही है। मणिपुर में दो साल चली अशांति में और अब कुंभ में भी, हादसा दर हादसा वही सब हो रहा है। यह सत्ताधारियों को जवाबदेही से परे बनाने का रास्ता है। धार्मिक उन्माद के बल पर सत्ता और सत्ता के बल पर धार्मिक उन्माद की आग में घी डालते रहने का मौका, यही वह फंदा है जो भारतीय जनतंत्र के गले पर कसता जा रहा है।

बिहार विधानसभा चुनावः कांग्रेस पर नजरें

वैसे तो बिहार विधानसभा के चुनाव होने में अभी कुछ महीनों का वक्त है, पर अचानक कांग्रेस की सक्रियता ने लोगों का ध्यान इसकी ओर खींच लिया है। प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के गठन के समय से ही राहुल गांधी इस राज्य में कई बार आ चुके हैं तथा राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं– लालूप्रसाद यादव व उनके बेटे तेजस्वी यादव (पूर्व उप मुख्यमंत्री) के साथ उनके बढ़िया तालमेल के चलते यह तो माना ही जा रहा है कि कांग्रेस–आरजेडी मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड के भी मिलकर लड़ने की सम्भावना अब तक तो बनी हुई है, लेकिन देखना यह भी होगा कि दोनों दलों के द्वारा वाकई कितने संगठित तरीके से इंडिया का मुकाबला किया जायेगा क्योंकि एक तरफ तो भाजपा के बीच यह भावना उभर आई है कि (बकौल विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री व भाजपा नेता) श्पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को तभी सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी जब बिहार में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनती है।श दूसरी ओर, साथ मिलकर राज्य की सरकार चलाते हुए भी नीतीश कुमार श्प्रगति यात्राश के नाम से राज्यव्यापी दौरा कर रहे हैं जिसमें भाजपा शामिल नहीं है। कुछ पिछले और कुछ भावी सियासी घटनाक्रमों के बीच बनने वाले किन सम्भावित समीकरणों के तहत चुनाव लड़ा जायेगा, यह देखना दिलचस्प होगा क्योंकि कांग्रेस यह चुनाव पूरे दमखम से लड़ने की तैयारियों में अभी से जुट गयी है। इस चुनाव की पृष्ठभूमि को समझने के लिये पहले की कतिपय परिघटनाओं को याद कर लेना उपयोगी होगा ताकि इस बात का अंदाजा लगाया जा सके कि आगामी चुनावी अखाड़ा किस तरह का तैयार हो रहा है। याद हो कि भाजपा और जेडीयू का लम्बा साथ तो रहा है परन्तु

इसी विधानसभा के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी से हाथ मिलाया व लगभग 18 माह सरकार चलाई थी। बाद में अचानक नीतीश ने फिर से पाला बदला और वापस भाजपा के साथ सरकार बना ली। मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हीं के पास रही। इस बीच उन्होंने इंडिया गठबन्धन बनाने में महत्वपूर्ण निभाई थी लेकिन उनके इस तरह पलटने से उनकी छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा था। फिर भी एनडीए के साथ 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ते हुए उन्होंने 12 सीटें जीतकर बताया कि उन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। केन्द्र की सरकार जिन दो दलों पर टिकी हुई है उनमें आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी (16 सदस्य) और जेडीयू ही हैं। स्वाभाविक है कि भाजपा जेडीयू को दिखावे के तौर पर तो महत्व देती रहेगी लेकिन पूरी कोशिश करेगी कि वह विधानसभा में उसे कमजोर कर खुद की ताकत बढ़ाये। अब देखना यह होगा कि इसके लिये वह कौन से पैंतरे आजमाती है।उधर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाल ही में बिहार के दो दौरे कर चुके हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 22 फरवरी को आएंगे। प्रदेश के नये बने प्रभारी कृष्णा अल्लावरु 20 फरवरी को पहुंचेंगे और तीन दिनों तक वहां रहेंगे। माना जाता है कि यहां कांग्रेस सामाजिक न्याय के अपने मुद्दे को पुनर्जाग्रत करेगी क्योंकि बिहार इसी विमर्श की जमीन रही है। कभी नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों व दलितों का संरक्षक माना जाता था लेकिन भाजपा के साथ जाने तथा अनेक महत्वपूर्ण अवसरों व सम्बन्धित विषयों पर उनकी चुप्पी ने उनसे यह ताज छीन लिया है। अलबत्ता, लालूप्रसाद यादव की विरासत को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के कारण तेजस्वी की इस मामले में प्रतिष्ठा बनी हुई है। फिर, अपने कार्यकाल में लाखों नौकरियां देने के कारण युवाओं एवं लाभान्वित होने वाले वर्गों में वे लोकप्रिय बने हुए हैं। तेजस्वी कांग्रेस के साथ हैं। खरगे अपने प्रस्तावित दौरे में बक्सर जायेंगे जहां संगठन की ओर से जय बापू जय भीम जय संविधान के नाम से एक बड़ी सभा की जायेगी। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस इसके जरिये दलित–ओबीसी वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित करेगी। साथ ही, संगठन को यहां नये सिरे से मजबूत करने की रूपरेखा भी बनेगी। माना जाता है कि कांग्रेस यहां कम से कम 70 सीटों पर दावा करेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में वह 9 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पूर्णिया से निर्दलीय लड़े पप्पू यादव के अलावा उसे 3 सीटें मिली हैं जबकि आरजेडी कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ी थी पर उसे 4 सीटें ही मिल सकी थीं। इस तरह देखें तो कांग्रेस का स्ट्राइक रेट उससे बेहतर है। इस कारण उसे लगता है कि अपनी जमीन को यहां मजबूत करना तथा अधिकतम सीटें हासिल करना जरूरी है ताकि वह आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बना सके। यहां इंडिया का एक और पार्टनर दल सीपीएम (एमएल) (एल) भी है जिसके पास लोकसभा की दो और राज्य विधानसभा में 11 सीटें हैं। वह भी इंडिया के साथ है। बिहार का चुनाव अनेक मायनों में बेहद अहमियत रखता है क्योंकि जिस तरीके से यहां नीतीश कुमार ने इंडिया को धोखा दिया, माना जाता है कि उनके कारण ही लोकसभा में येन केन प्रकारेण भाजपा अपनी सरकार बनाने तथा नरेन्द्र मोदी पीएम बनने में कामयाब हो सके। कई बार इस आशय की खबरें उठती रही हैं कि नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के पहले फिर से खेमा बदल सकते हैं। हालांकि एक बड़ा वर्ग इन अनुमानों को सिरे से खारिज करता है क्योंकि उसका मानना है कि नीतीश बाबू इस तरह का फैसला कम से कम विधानसभा चुनाव तक तो लेने से रहे। बहरहाल, मुकाबला दिलचस्प रहेगा।

यामी गौतम

ने इन शानदार फिल्मों से किया दर्शकों का मनोरंजन

भारतीय सिनेमा में बहुत कम ऐसे एक्टर्स होते हैं जो खुद को साबित कर पाते हैं, लेकिन यामी गौतम का पिछले पांच सालों में जिस तरह से उभरकर सामने आई हैं, वो उनकी टैलेंट और मेहनत का बेहतरीन उदाहरण है। प्रेमिका से लेकर मजबूत, करैक्टर–ड्रिवन स्टोरीज को लीड करने तक, यामी गौतम ने सच में अपनी पहचान बनाई है और इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। लेकिन पिछले 5 सालों में हमें एक ऐसी एक्ट्रेस देखने को मिली, जो खुद ही मुख्य किरदार बनकर हिट फिल्मों का हिस्सा बनी, जिन्हें पूरी तरह से उनके नाम से जोड़ा जा सकता है। कोई भी ये रोल कर सकता था, लेकिन यामी का इन रोल्स में फिट होना, और सबसे खास बात, इन प्रोजेक्ट्स को हेडलाइन करके हर प्लेटफॉर्म पर सफलता दिलाना, यही उनकी स्टैंड आउट क्वालिटी है। उनके करियर का एक सबसे प्रभावशाली पहलू यह है कि वह अलग–अलग प्लेटफार्म्स पर बेहतरीन तरीके से काम करती हैं,चाहे वो थियेट्रिकल रिलीज हों, डिजिटल फिल्में हों या ओटीटी सीरीज। अब उनका पोर्टफोलियो हिट्स से भरा हुआ है, जिसमें वह लीड रोल्स में नजर आती हैं और अक्सर पूरी कहानी का बोझ अपने कंधों पर उठाती हैं। ऐसा कलाकार ढूंढना बहुत मुश्किल है, जो बड़े पर्दे की फिल्मों और डिजिटल कंटेंट दोनों में इतनी दमदार परफॉर्मेंस दे, लेकिन यामी ने दोनो जगहों पर अपनी टैलेंट का लोहा मनवाया है। चोर निकल के भागा, अ थर्सडे, आर्टिकल 370, ओएमजी2, और लॉस्ट जैसी फिल्में थिएटर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों पर हिट हुईं और यामी की शानदार रेंज को साबित किया। इन फिल्मों में यामी ने सिर्फ अहम किरदार निभाए बल्कि कहानी के दिल के रूप में भी अपनी छाप छोड़ी। वो हमेशा ऐसे रोल्स चुनती हैं जो न सिर्फ दिलचस्प होते हैं बल्कि अहम भी, और यह उनके बढ़ते स्टारडम का एक और सबूत है। अब, धूम धाम के डिजिटल रिलीज के साथ यामी का स्तर और भी ऊंचा हो गया है। यह सिर्फ उनकी फिल्मों की सफलता नहीं हैय बल्कि यह है कि उन्होंने एक बेहद कॉम्पेटेटिव इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने जोखिम उठाए, ऐसी स्क्रिप्ट्स चुनीं जो दर्शकों से जुड़ीं, और शानदार प्रदर्शन किया। दर्शक उन्हें पसंद कर रहे हैं और अब ये बात साफ हो चुकी है कि यामी थ्रिलर हो या एंटरटेनर, दोनों में माहिर हैं। ये एक बहुत ही खास और कम देखने वाली काबिलियत है, जो एक टॉपलाइन स्टार में होती है।यामी गौतम का सफर एक नई एक्ट्रेस से लेकर कई प्लेटफार्मों पर टॉपलाइन स्टार बनने तक वाकई शानदार रही है। उन्होंने बार–बार साबित किया है कि टैलेंट, मेहनत और सही फैसलों से एक अभिनेता को टॉप तक पहुंचाया जा सकता है, और अब भी उनका सफर रुकने का नाम नहीं ले रहा। यामी एक क्रिएटिव पावरहाउस हैं और इन दिनों तो वो पूरी तरह से एक्टिव हैं।

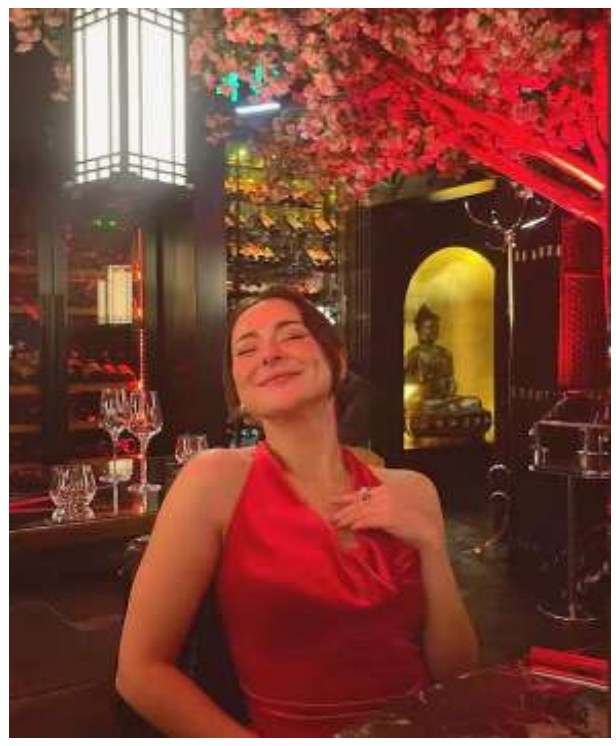

हानिया आमिर का ग्लैमरस लुक, बैकलेस हॉल्टर नेक ड्रेस में ढाया कहर

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर ने अपने शानदार फैशन स्टाइल से एक बार फिर सभी का ध्यान खींचा है। हानिया हमेशा अपनी स्टाइल और लुक्स के कारण सुर्खियों में रहती हैं, और हाल ही में उन्होंने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। हानिया ने इस बार अपनी बर्थडे पार्टी के दौरान रेड कलर की बैकलेस हॉल्टर नेक ड्रेस पहनी थी, जो उन्हें बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक दे रही थी। उनका यह बॉडीकॉन ड्रेस लुक फैंस को बहुत भाया और तस्वीरों में वह बेहद आकर्षक दिख रही थीं। हानिया ने इस लुक को नो मेकअप लुक से पूरा किया, जिससे उनकी खूबसूरती और भी निखरकर सामने आई।हानिया ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान फ्रेंड्स के साथ खूब मस्ती की। उनकी फ्रेंड्स के साथ की बॉन्डिंग भी बेहद प्यारी लग रही थी। हानिया ने बर्थडे केक काटते हुए भी वीडियोज और तस्वीरें शेयर कीं, जो उनके फैंस के बीच तुरंत वायरल हो गईं। हानिया ने बर्थडे सेलिब्रेशन की शुरुआत 2–3 दिन पहले से ही की थी और उनका सेलिब्रेशन बर्थडे के बाद भी जारी रहा। हानिया पाकिस्तान की एक बहुत ही पॉपुलर और बोल्ड एक्ट्रेस हैं। उनका ग्लैमरस और फैशनेबल अंदाज किसी बॉलीवुड डीवा से कम नहीं है। हानिया के वेस्टर्न आउटफिट्स में किए गए फोटोशूट्स अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उनकी स्टाइल को देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि हानिया भी अपनी तरह की एक फैशन आइकन हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो हानिया को हाल ही में शो कभी मैं कभी तुम में देखा गया था। इस शो में उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया और शो सुपरहिट रहा। भारत में भी इस शो को काफी प्यार मिला और इसका आखिरी एपिसोड पाकिस्तान में थिएटर में रिलीज किया गया था। हानिया का फैशन सेंस हमेशा चर्चा का विषय रहता है। उनके फैशन स्टेटमेंट से यह साफ हो जाता है कि वह अपने लुक्स और स्टाइल को लेकर हमेशा अपडेट रहती हैं। हानिया का यह बर्थडे लुक भी उनकी फैशन से जुड़ी पॉपुलैरिटी को और बढ़ा देता है।

धनुष और कृति सेनन की अपकमिंग लव सागा तेरे इश्क में का दिल्ली शेड्यूल जोरों पर

डिजिटल। फिल्म तेरे इश्क में का निर्माण दिल्ली में जोरों पर चल रहा है। यह बहुप्रतीक्षित लव स्टोरी निर्माता आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार के बीच एक सहयोग है, जो टी–सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई जा रही है। धानुष और कृति सेनन की ताजगी से भरी जोड़ी वाली यह फिल्म रांझणा जैसी भावनाओं को प्रदर्शित करती है, जिसमें एकतरफा प्यार और भावनात्मक संघर्ष शामिल है। इसकी कहानी को ए.आर. रहमान का संगीत और इरशाद कामिल के बोल हैं, जो एक गहन सिनेमाई अनुभव प्रदान करने का वादा करते हैं। जैसे–जैसे दिल्ली में फिल्मांकन आगे बढ़ रहा है, टीम इस भावनात्मक प्रेम कहानी को देशभर के दर्शकों को तक पहुंचाने के लिए समर्पित है। गुलशन कुमार, टी–सीरीज और कलर येलो प्रस्तुत करते हैं तेरे इश्क में, आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा एवं भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है। यह फिल्म आनंद एल राय द्वारा निर्देशित और हिमांशु शर्मा द्वारा लिखित है। इस फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत और इरशाद कामिल के बोल है। धनुष और कृति सेनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को दुनिया भर में हिंदी और तमिल में रिलीज होने वाली है।

तेरे नाम की मेहंदी...येलो शरारा सूट में सनम तेरी कसम की सरू ने चुराया दिल, हथेली पर पिया का नाम लिखते ही खिला चेहरा

सनम तेरी कसम की हीरोइन सरू उर्फ मावरा होकेन ने हाल ही में पाकिस्तानी एक्टर अमीर गिलानी से शादी रचाई। जोड़े ने इंस्टाग्राम पर शादी की अचानक दी खबर से इंटरनेट पर भले ही सनसनी फैला दी हो लेकिन लोगों का प्यार भी खूब बटोरा है। निकाह के बाद से ही मावरा होकेन इससे जुड़ी हर रस्म की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। बात पक्की, हल्दी सेरेमनी की तस्वीरों के बाद अब मावरा होकेन ने मेहंदी सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। मेहंदी सेरेमनी के लिए मावरा पीले रंग के शरारा में सजी। उन्होंने अपने आउटफिट के साथ खूबसूरत कढ़ाई वाला बैंगनी दुपट्टा पहना हुआ है। नेकलेस, झुमके और मांग टीका एक्ट्रेस के लुक को चार–चांद लगा रहा है। मावरा ने अपने इस पूरे लुक को मिनिमल मेकअप से कंप्लीट किया। इसके साथी ही उन्होंने बालों की चोटी बनाई थी। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि पिया के नाम की मेहंदी लगते ही मावरा का चेहरा खिल उठा था। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि मावरा होकेन और अमीर गिलानी ने 5 फरवरी, 2025 को एक भव्य समारोह में शादी की। इसके बाद से उनकी शादी की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मावरा की शादी के फंक्शन में उर्वा होकेन और फरहान सईद की शानदार परफॉर्मेंस को दुनिया भर में खूब पसंद किया जा रहा है।

> निकाह के बाद से ही मावरा होकेन इससे जुड़ी हर रस्म की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। बात पक्की, हल्दी सेरेमनी की तस्वीरों के बाद अब मावरा होकेन ने मेहंदी सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं।

क्या करण सिंह ग्रोवर टीवी पर कर रहे हैं वापसी? 20 साल छोटी एक्ट्रेस संग रोमांस करते आएंगे नजर

करण सिंह ग्रोवर की टीवी जर्नी काफी शानदार रही है। उन्होंने दिल मिल गए और कुबूल है जैसे सुपरहिट शोज में काम किया है, और उन्हें टीवी का रोमांस किंग भी कहा जाता है। करण को रोमांटिक रोल्स में बहुत पसंद किया जाता है। अब खबरें आ रही हैं कि करण सिंह ग्रोवर एक बार फिर टीवी पर कमबैक करने जा रहे हैं। उन्हें आखिरी बार 2020 में टीवी पर देखा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करण सिंह ग्रोवर अब जी टीवी पर नजर आ सकते हैं। वे शो श्तुम से तुम तकश में दिखाई देंगे, जिसे एलएसडी प्रोडेक्शन प्रोड्यूस कर रहा है। इस शो का फर्स्ट लुक भी जारी किया जा चुका है। कहा जा रहा है कि यह शो मराठी शो तुला पाहते रे का रीमेक होगा। अगर करण इस शो को साइन करते हैं, तो वे इस शो में 20 साल छोटी लड़की के साथ रोमांस करते हुए दिखाई देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार , करण सिंह ग्रोवर को हेली शाह के साथ रोमांस करते हुए देखा जाएगा। पहले खबरें थीं कि इस शो के लिए निहारिका चौकसी और आशीष चौधरी को अप्रोच किया गया था, लेकिन अब करण और हेली ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। हालांकि, इस शो और करण सिंह ग्रोवर की वापसी को लेकर अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले करण को एकता कपूर के शो कसौटी जिंदगी की में ऋषभ बजाज के किरदार में देखा गया था। उन्होंने इस शो में एक साल काम किया था, लेकिन बाद में करण पटेल ने उनकी जगह ले ली थी। इसके अलावा करण को कुबूल है 2.0 में भी देखा गया था, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुआ था।

महाशिवरात्रि पर बनाएं एकदम खिली-खिली साबूदाना की खिचड़ी, नोट करें रेसिपी

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस बार महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी 2025, बुधवार को मनाया जा रहा है। इस दिन भक्त भगवान शिव की पूजा–अर्चना करते हैं और व्रत रखते हैं। अगर आप इस दिन व्रत रखते हैं, तो फलाहार में साबूदाना की खिचड़ी को जरुर बनाएं। यदि आप इस महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो आप साबूदाना खिचड़ी को बनाकर खा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं खिली–खिली साबूदाना की खिचड़ी को कैसे बनाएं।

साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए सामग्री

– 1 कटोरी साबूदाना
– 1/2 कटोरी मूंगफली दाना
– 1 आलू
– 1 छोटा चम्मच जीरा
– 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ हर धनिया
– 1 नींबू
– 10 कढ़ी पत्ते
– 2 कटी हुई हरी मिर्च
– 1 बड़ा चम्मच घी
– सेंधा नमक स्वादानुसार

साबूदाना खिचड़ी बनाने की विधि

सबसे पहले आप साबूदाना धोकर उसे 2–3 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। ऐसा करने से साबूदाना नरम होकर फूल जाएगा। इसके बाद एक कड़ाही में मूंगफली के दाने डालकर उन्हें ड्राई रोस्ट करें। इसके बाद मूंगफली के दानों मसलकर उसके छिलके हटाकर उन्हें दरदरा कूट लें। अब कड़ाही में घी डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करें। घी गर्म होने के बाद उसमें जीरा डालकर चटकाएं। फिर कड़ाही में कढ़ी पत्ता, हरी मिर्च डालकर कुछ देर तक भूनें। अब कड़ाही में कटे हुए आलू डालकर भून लें। आलू को भुनने में 5 मिनट का समय लगेगा। आलू नरम होने के बाद इसमें भीगा हुआ साबूदाना डाल दीजिए। अब इसे करछी की मदद से चीजों के साथ अच्छे से मिला लें। फिर कड़ाही को ढककर 5 मिनट तक साबूदाना पकने दें। अब आप बीच–बीच में साबूदाना चलाते भी रहें। जिससे आपका साबूदाना कड़ाही में चिपकेगा नहीं। फिर इसमें कुटी हुई मूंगफली, हरी धनिया पत्ती और स्वादानुसार सेंधा नमक डालकर करछी की मदद से सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद साबूदाना में नींबू का रस निचोड़कर खिचड़ी को 2–3 मिनट के लिए पकने दें। अब गैस बंद कर दें। यह लीजिए आपकी महाशिवरात्रि के व्रत के लिए फलाहार साबूदाना खिचड़ी बनकर तैयार है।

अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो जाए तो इन तरीकों से करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर का अचानक बढ़ जाना, जिसे हाइपरटेंशन कहते हैं, एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। यह शरीर के रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है, जिससे दिल, गुर्दे, और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ सकता है। कभी–कभी यह समस्या बिना किसी चेतावनी के होती है, और अगर तुरंत कंट्रोल न किया जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। यदि आपका ब्लड प्रेशर अचानक हाई हो जाए, तो आपको तुरंत ध्यान देना चाहिए और कुछ उपायों को अपनाकर इसे कंट्रोल करने की कोशिश करनी चाहिए।

इस आर्टिकल में हम आपको उन कुछ कारगर तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अचानक हाई हुए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं।

गहरी सांस लें

जब भी आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो गहरी सांस लेना सबसे पहले और सबसे प्रभावी उपाय हो सकता है। यह तकनीक आपके शरीर को शांत करने में मदद करती है और तनाव को कम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। गहरी सांस लेने से रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सामान्य हो सकता है और रक्तचाप नियंत्रित हो सकता है।

कैसे करें: आराम से बैठें और अपनी आंखें बंद करें। गहरी सांस लें, नाक से धीरे–धीरे और गहरी सांस लें, फिर मुंह से धीरे–धीरे बाहर छोड़ें। इस प्रक्रिया को 5–10 मिनट तक दोहराएं।

पानी पीना

पानी का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, क्योंकि इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सही रहता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा होता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर के दौरान पानी पीने से राहत मिल सकती है।

कैसे करें: अगर आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो तुरंत एक गिलास पानी पीने की कोशिश करें। अगर शरीर में पानी की कमी है, तो ज्यादा पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

लवंग और शहद का सेवन

लवंग और शहद का मिश्रण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। लवंग में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। शहद, रक्त वाहिकाओं को साफ रखने और रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कैसे करें: एक गिलास गर्म पानी में 2–3 लवंग डालें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इसे रोजाना सुबह खाली पेट सेवन करें।

हल्का वॉक

हल्की दौड़ या वॉक करने से शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है और शरीर को आराम मिलता है। यह ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका है, क्योंकि यह हृदय को मजबूत करता है और शरीर को अधिक ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है।

कैसे करें: यदि आपके पास समय हो, तो आराम से बाहर थोड़ी देर के लिए चलने जाएं। अगर बाहर जाना मुश्किल हो, तो घर के भीतर ही हल्का वॉक करें या किसी जगह पर खड़े होकर पैर हिलाएं।

नींबू पानी

नींबू में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और रक्त वाहिकाओं की स्थिति को बेहतर बनाता है। नींबू पानी पीने से रक्त प्रवाह सामान्य रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर को कम किया जा सकता है।

कैसे करें: एक गिलास पानी में आधे नींबू का रस मिलाकर पिएं। इसे दिन में एक बार सेवन करें।

स्ट्रेस को कम करें

तनाव और चिंता ब्लड प्रेशर को बढ़ाने के प्रमुख कारण हैं। अगर आप अचानक से हाई ब्लड प्रेशर महसूस करें, तो तनाव को कम करने के लिए अपने दिमाग को शांत करने की कोशिश करें। ध्यान, योग और रिलैक्सेशन तकनीकें तनाव कम करने में मदद करती हैं और ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में सहायक होती हैं।

कैसे करें: थोड़ी देर के लिए मेडिटेशन करें या आराम से ध्यान लगाने की कोशिश करें। योग, प्राणायाम, या कुछ हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

नमक का सेवन कम करें

अधिक नमक का सेवन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। यदि आपके ब्लड प्रेशर में अचानक वृद्धि हो, तो नमक का सेवन कम कर दें। यह रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालने से बचता है और आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कैसे करें: अपनी डाइट से नमक को कम करें। प्रोसेस्ड फूड्स और पैकेज्ड स्नैक्स में अधिक नमक हो सकता है, इसलिए इनसे बचें।

शहद और अदरक का मिश्रण

अदरक भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। अदरक के एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण रक्त प्रवाह को बेहतर बनाते हैं। शहद और अदरक का मिश्रण रक्तचाप को जल्दी नियंत्रित कर सकता है।

कैसे करें: एक चम्मच अदरक का रस और शहद मिलाकर सेवन करें। इसे दिन में एक बार जरूर पिएं।

अचानक हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्थिति हो सकती है, लेकिन कुछ सरल घरेलू उपायों के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। गहरी साँस, पानी पीना, हल्का वॉक, और स्वस्थ आहार जैसे उपायों से आप ब्लड प्रेशर को जल्दी कंट्रोल कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपका ब्लड प्रेशर बार–बार बढ़ता है या आपको कोई गंभीर लक्षण महसूस होते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ब्लड प्रेशर की सही स्थिति के लिए नियमित चेकअप और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक है।

डिस्कलेमरः हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी स्टीक जानकारी डॉक्टर से लेना जरूरी है।

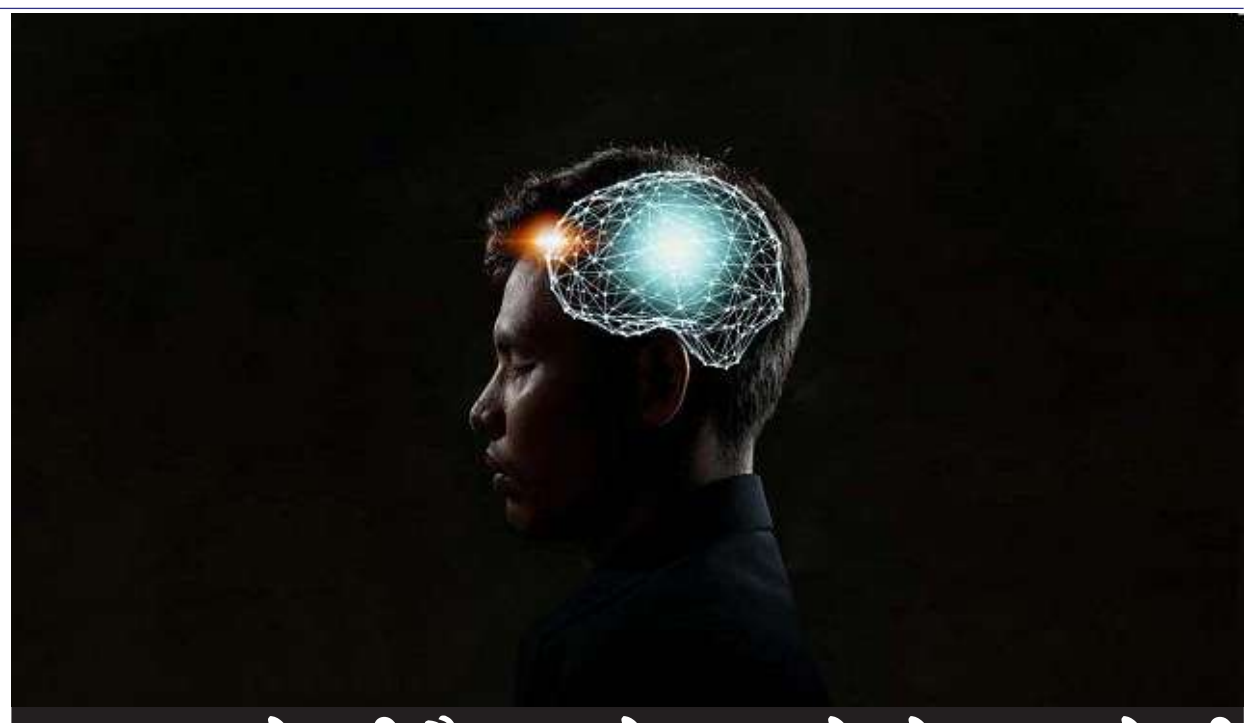

याददाश्त हो रही है कमजोर या सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट, सामने आई इसकी सबसे बड़ी वजह

ब्रेन हेल्थ, यानी मस्तिष्क की सेहत, पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ी चिंता का विषय बन चुकी है। समय के साथ, यह समस्या बढ़ती ही जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गंभीर स्थिति खराब लाइफस्टाइल, खानपान और अन्य कारणों के कारण उत्पन्न हो रही है। अब एक नए अध्ययन में, मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं के बढ़ने का कारण वायु प्रदूषण को बताया गया है। हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया कि लोगों की सोचने–समझने की क्षमता लगातार घट रही है, और इसका प्रभाव वयस्कों से लेकर बुजुर्गों तक देखा जा सकता है। इसके साथ ही, बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी याददाश्त में कमी आने की भी शिकायत की है। वैज्ञानिकों ने इस समस्या का मुख्य कारण बढ़ते वायु प्रदूषण को माना है।

वायु प्रदूषण का बढ़ता स्तर मस्तिष्क के लिए ठीक नहीं

ब्रिटेन में हाल ही में किए गए अध्ययन में विशेषज्ञों ने इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया कि वायु प्रदूषण का लेवल तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, वायु प्रदूषण को आमतौर पर फेफड़ों और दिल की बीमारियों से जोड़ा जाता रहा है, लेकिन अब यह मस्तिष्क पर भी नेगेटिव प्रभाव डाल रहा है। प्रदूषित हवा में थोड़े समय तक सांस लेने से भी सोचने–समझने की क्षमता और याददाश्त पर बुरा असर पड़ सकता है।

क्या कहता है अध्ययन?

बर्मिंघम और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन किया, जिसमें वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर और खासकर पीएम 2.5 के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया। पीएम 2.5 एक प्रकार का सूक्ष्म प्रदूषक कण है, जो स्वास्थ्य के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक होता है। 2015 में किए गए एक अध्ययन से पता चला कि वायु प्रदूषण के कारण करीब 42 लाख लोगों की जान चली गई थी। अब, यह केवल फेफड़ों या दिल की बीमारियों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी प्रभाव डाल रहा है।

ध्यान की कमी

वायु प्रदूषण के प्रभावों पर किए गए एक अध्ययन में यह सामने आया कि जो लोग प्रदूषित हवा में अधिक समय बिताते हैं, उनके लिए ध्यान केंद्रित करना और भावनाओं पर नियंत्रण रखना भी मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति उनके रोजमर्रा के कामों को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे उनकी मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इस अध्ययन में 26 वयस्कों को दो समूहों में बांटकर परीक्षण किया गया। एक समूह प्रदूषित हवा में रहता था, जबकि दूसरा समूह स्वच्छ हवा में सांस लेता था। परिणामस्वरूप, जो लोग प्रदूषित वातावरण में रहते थे, उन्हें समय के साथ ध्यान केंद्रित करने, आत्म नियंत्रण और मानसिक संतुलन में दिक्कतें बढ़ती गईं। विशेषज्ञों ने पाया कि वायु में मौजूद महीन कण (पीएम) दिमागी क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चला कि कुछ घंटे भी प्रदूषित हवा में रहने से मस्तिष्क पर कई प्रकार के नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ की सिफारिश

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि हवा में पीएम 2.5 का स्तर एक दिन में 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। पूरे वर्ष में यह स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम होना चाहिए। अगर यह स्तर बढ़ता है, तो यह मस्तिष्क से संबंधित गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ब्राइडल लहंगा में जान डाल देंगे ये नेकलाइन डिजाइंस वाले ब्लाउज, देखें लेटस्टे डिजाइन

एक लड़की के लिए शादी का दिन बेहद खास होता है। लंबे समय तक इसी पल को सभी को इंतजार रहता है। शादी किसी भी इंसान की जिंदगी को बदल देता है। शादी के साथ ही ब्राइडल की आउटफिट भी बेहद खास होनी चाहिए। आमतौर पर ज्यादातर लड़कियां अपने आउटफिट को लेकर काफी परेशान रहती हैं। अब आपको टेंशन लेने की जरुरत नहीं है, इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे लहंगे के लिए सबसे शानदार डिजाइन वाले ब्लाउज के आइडिया।

डीप वी नेक

आजकल डीप वी नेक डिजाइन वाले ब्लाउज काफी ट्रेंड में बने हुए है। अगर आप भी सेसी लुक के लिए डीप वी नेक ब्लाउज स्टाइल कर सकती हैं।

स्क्वायर नेक

यदि आप अपनी शादी में हैली ज्वैलरी कैरी करना चाहती हैं, तो आप स्क्वायर शेप नेक ब्लाउज पहन सकती हैं। इस नेकलाइन में आपको अलग और स्टाइलिश लुक मिलेगा।

स्वीटहार्ट नेक

ब्राइडल लहंगा के ब्लाउज को लेकर आप कन्फ्यूज हैं, तो आप स्वीटहार्ट नेकलाइन ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस ब्लाउज डिजाइन में आपको काफी एलीगेंट लुक मिलेगा।

ब्रॉड वी नेक

अगर आप अपने खास डे पर कोई भी एक्सपेरिमेंट बिल्कुल भी नहीं करना चाहती हैं तो आप ब्रॉड वी नेक लुक में आपको क्लासी और खूबसूरत लुक मिलेगा।

टर्टल नेक

यदि आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो आप टर्टल नेक ब्लाउज कैरी कर सकते हैं। इस नेकलाइन के साथ आप हैवी ज्वैलरी भी कैरी कर सकते हैं।

ब्रॉड शोल्डर

अगर आप एक मॉर्डन और क्लासी लुक लेना चाहती है, तो आप ब्रॉड शोल्डर ब्लाउज बनवा सकती हैं। इस ब्लाउज डिजाइन में आपको एलिगेंट और खूबसूरत लुक मिलेगा।

संक्षिप्त

ओला इलेक्ट्रिक ने समझौते की शर्तों पर पंजीकरण एजेंसी के साथ फिर से बातचीत की शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटर विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी वाहन पंजीकरण एजेंसियों के साथ समझौते की शर्तों पर फिर से बातचीत करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने साथ ही कहा कि इस बातचीत के दौरान वास्तविक बिक्री प्रभावित नहीं होगी, लेकिन सरकार के 'वाहन' मंच पर जारी उसके पंजीकरण आंकड़ों में अस्थायी रूप से गिरावट आ सकती है। बयान के अनुसार, इससे फरवरी में 'वाहन' मंच पर प्रदर्शित पंजीकरण आंकड़े '' अस्थायी रूप से प्रभावित'' होंगे। इसमें कहा गया, '' हम लागत कम करने और पंजीकरण प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने के लिए अपनी एजेंसियों, अर्थात् रोसमेर्टा डिजिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और शिमनीत इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते की शर्तों पर फिर से बातचीत कर रहे हैं। जारी बातचीत और पंजीकरण प्रक्रिया के अनुकूलन के कारण फरवरी 2025 (वाहन मंच पर) के लिए पंजीकरण संबंधी हमारे आंकड़े अस्थायी रूप से प्रभावित होंगे। फरवरी 2025 तक हमारी बिक्री मजबूत बनी रहेगी और पंजीकरण में गिरावट अगले कुछ हफ्तों से नजर आ सकती है।'' कंपनी की ओर से शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, बातचीत का मकसद लागत कम करना और पंजीकरण प्रक्रिया में बदलाव लाना है।

चालू वित्त वर्ष 2024–25 में जीडीपी वृद्धि 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमानः एसबीआ

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने शोध में चालू वित्त वर्ष (2024–25) के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 36 उच्च आवृत्ति संकेतकों का लाभ उठाते हुए चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अनुमानित जीडीपी वृद्धि 6.2 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, 2024–25 के लिए 'रियल' तथा 'नॉमिनल' जीडीपी वृद्धि दर

क्रमशः 6.4 प्रतिशत और 9.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया, स्वस्थ ग्रामीण अर्थव्यवस्था स्थिरता को मजबूत कर रही है और अन्य क्षेत्रों में गति बनाए रख रही है। मौजूदा घरेलू मुद्रास्फीति में मंदी उच्च विवेकाधीन खर्च को प्रोत्साहित और मांग–आधारित वृद्धि को बढ़ावा देती है। इसमें कहा गया, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में पूंजीगत व्यय में सुधार दिख रहा है। भू–राजनीतिक घटनाक्रम और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के कारण कैलेंडर वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में मंदी का असर न केवल भारत बल्कि अन्य देशों पर भी पड़ा है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के हालिया वैश्विक वृद्धि पूर्वानुमान में अनुमान लगाया गया है कि मजबूत घरेलू मांग तथा सरकार द्वारा नीतिगत हस्तक्षेप सेभारत की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024–25 और आगामी वित्त वर्ष 2025–26 दोनों में 6.5 प्रतिशत रहेगी।

आरबीआई ने लॉन्च किया 'आरबीडाटा' ऐप, 11,000 से ज्यादा भारत के आर्थिक आंकड़े एक क्लिक पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को एक नया मोबाइल एप्लिकेशन 'आरबीडाटा' लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़ों को सरल और आकर्षक तरीके से उपलब्ध कराना है। इस एप्लिकेशन के माध्यम से अब उपयोगकर्ता भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़े 11,000 से अधिक विभिन्न श्रृंखलाओं के आर्थिक आंकड़े देख सकते हैं।

आरबीआई ने जारी की विज्ञप्ति

आरबीआई द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार, यह मोबाइल ऐप भारतीय आर्थिक आंकड़ों को एक उपयोगकर्ता के लिए फ्रैंडली और आकर्षक रूप में प्रस्तुत करता है। उपयोगकर्ता इस ऐप के माध्यम से अलग–अलग प्रकार के डेटा को ग्राफ़ और चार्ट के रूप में देख सकते हैं। इसके अलावा, वे इन आंकड़ों को विश्लेषण के लिए डाउनलोड भी कर सकते हैं। बता दें कि इस ऐप में आंकड़ों के स्रोत, माप की इकाई, आवृत्ति और हालिया अपडेट जैसी जानकारियां भी दी गई हैं, जिससे उपयोगकर्ता को डेटा की पूरी जानकारी मिल सके।

एक महत्वपूर्ण फीचर पर एक नजर

जारी विज्ञाप्ति में बताया गया कि 'आरबीडाटा' ऐप का एक महत्वपूर्ण फीचर इसका 'बैंकिंग आउटलेट' सेक्शन है, जो उपयोगकर्ताओं को उनके स्थान के 20 किलोमीटर के दायरे में उपलब्ध बैंकिंग सुविधाओं को खोजने में मदद करेगा। इसके साथ ही, ऐप 'सार्क फाइनेंस' के माध्यम से सार्क देशों (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के बारे में भी डेटा प्रदान करेगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को अन्य सार्क देशों की आर्थिक जानकारी भी मिल सकेगी।

नागरिकों के लिए उपयोगी, समझिए कैसे

विज्ञप्ति में आगे बताया गया कि यह ऐप भारतीय अर्थव्यवस्था का व्यापक दृष्टिकोण देने के लिए विभिन्न प्रकार के आंकड़े उपलब्ध कराता है, जिससे यह शोधकर्ताओं, छात्रों और सामान्य नागरिकों के लिए उपयोगी होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि ऐप भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस (क्ठप्) पोर्टल तक त्वरित पहुंच प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता आसानी से भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित आंकड़ों की तलाश कर सकते हैं।

चयन से जुड़ी चुनौतियों से उबरकर बांग्लादेश के खिलाफ जीत से शुरूआत करना चाहेगा भारत

क्रिकेट में हाल में उतार–चढ़ाव भरे अतीत ने भारत के लिए चौंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करना अनिवार्य कर दिया है और गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाला उसका पहला मैच इस टीम से जुड़े मौजूदा सवालों को दूर करने की दिशा में पहला कदम होगा। भारत टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदारों में शामिल है लेकिन यह गेंदबाजी इकाई चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति से उबरकर अच्छा प्रदर्शन कर पाएगी? क्या विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने शानदार दिनों को वापस ला पाएंगे? क्या शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करके कई देशों की मौजूदगी वाली प्रतियोगिता के दबाव को झेल पाएंगे? इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट वरदान की तरह है क्योंकि भारत के दिग्गज और युवा खिलाड़ी एकदिवसीय प्रारूप में सहज महसूस करते हैं और वे यहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कोहली, रोहित और यहां तक घ्कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पास अधिक समय नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली असफलताओं से मिले झटके का असर कम नहीं हुआ है। हालांकि कुछ अच्छे संकेत हैं। कप्तान रोहित ने कुछ दिन पहले इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक और कोहली ने अर्धशतक बनाया जबकि गंभीर के मार्गदर्शन में भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में क्रमशरू 4–1 और 3–0 की शानदार जीत दर्ज की। गिल ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला में एक शतक और दो अर्द्धशतक जड़कर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। चौंपियंस ट्रॉफी में हालांकि भारत के सामने चुनौती घरेलू श्रृंखला से काफी अलग है। ग्रुप ए में भारत के प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड हाल ही में उसका सामना करने वाले इंग्लैंड की तुलना में कहीं अधिक प्रेरित नजर आ रहे हैं और एक हार भी लीग चरण के पूरे समीकरण को बदल सकती है। हालांकि भारत ने पिछले कुछ समय में 50 ओवर के क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन

बांग्लादेश का सामना करने से पहले उन्हें चयन से जुड़ी कुछ पहेलियों को सुलझाना होगा। इसकी शुरुआत लोकेश राहुल के बल्लेबाजी क्रम से होती है। क्या वह अपने पसंदीदा पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या फिर अक्षर पटेल उनसे ऊपर आएंगे और वह छठे नंबर पर उतरेंगे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन अंतिम एकदिवसीय में वह पांचवें नंबर पर उतरे। पूरी संभावना है कि टीम प्रबंधन लचीलापन अपनाएगा और मैच की स्थिति के अनुसार ही कोई फैसला करेगा। हालांकि गेंदबाजी में सही संतुलन हासिल करना बड़ी चुनौती है, विशेषकर चोट की वजह से बुमराह की अनुपस्थिति के कारण। मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का नई गेंद के साझेदार के रूप में साथ निभाने के लिए अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा में से एक को चुना जाएगा। शमी को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। राणा ने अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और वह सपाट पिचों पर भी अपनी गति और उछाल के साथ बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन अर्शदीप बाएं हाथ के कोण और अपनी गेंदबाजी में मौजूद विविधता के कारण नई गेंद की जिम्मेदारी साझा करने की दौड़ में सबसे आगे हैं। इसके अलावा भारत के तीन स्पिनरों को खिलाने की संभावना है जबकि हार्दिक पंड्या तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होंगे। लेकिन यहां भी भारत को इस बात पर विचार करना होगा कि रविंद्र जडेजा और अक्षर के बाद एकादश में तीसरा स्पिनर कौन होगा। भारत को बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के बीच से किसी एक को चुनने का मुश्किल फैसला करना होगा। अगर हालिया फॉर्म को पैमाना माना जाए तो 'रहस्यमयी स्पिनर' चक्रवर्ती को मौका मिलना चाहिए लेकिन कुलदीप ने मंगलवार को यहां नेट पर कुछ प्रतिष्ठित बल्लेबाजों को चकमा देकर अपनी क्षमता दिखाई। भारत इस बात से सांत्वना ले सकता है कि बांग्लादेश भी उथल–पुथल से गुजर रहा है और शाकिब अल हसन जैसे स्टार खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से कमजोर हो गया है। हालांकि भारत कोई ढिलाई नहीं बरतना चाहेगा क्योंकि बांग्लादेश ने अतीत में वैश्विक प्रतियोगिताओं में उसे परेशान कर चुका है।

टीम इस प्रकार हैं–

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जड़ेजा और वरुण चक्रवर्ती।

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), सौम्य सरकार, तंजीद हसन, तौहीद हृदय, मशफिकुर रहीम, एमडी महमूदुल्लाह, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तास्किन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नासुम अहमद, तंजीम हसन साकिब और नाहिद राणा।

भारतीय क्रिकेट जगत में शोक की लहर, मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे ने दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे का बुधावर को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 76 साल के थे। पिछले रविवार को 76 साल के हुए रेगे को ब्रीच कैंडी अस्पताल के आईसीसी में भार्ती कराया गया था और बुधवार सुबह करीब 6 बजे उनका निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। ऑलराउंडर के रूप में खेलने वाले रेगे को 26 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ा था। लेकिन वह क्रिकेट के मैदान पर वापस लौटे और रणजी ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी भी की। सचिन तेंदुलकर ने उनको याद किया है, क्योंकि बचपन में उन्होंने उनके अंदर प्रतिभा देखी थी। नागपुर में विदर्भ के खिलाफ अपना रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल खेल रही मुंबई की क्रिकेट टीम रेगे के सम्मान में तीसरे दिन काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरी। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने एक बयान में कहा, मिलिंद रेगे सर के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। मुंबई क्रिकेट के दिग्गज। एक खिलाड़ी, चयनकर्ता और मार्गदर्शक के रूप में उनका योगदान अमूल्य था। उनके मार्गदर्शन ने क्रिकेटरों की पीढ़ियों को आकार दिया और उनकी विरासत को हमेशा संजोया जाएगा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रित हार्दिक संवेदना। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने एक्स पोस्ट करते हुए लिखा कि, मिलिंद रेगे सर के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। वह मुंबई के महान क्रिकेटर थे, जिन्होंने शहर के क्रिकेट में बहुत बड़ा योगदान दिया। उन्होंने और सीसीआई के अन्य सदस्यों ने मुझमें क्षमता देखी और मुझे सीसीआई के लिए खेलने के लिए कहा,।

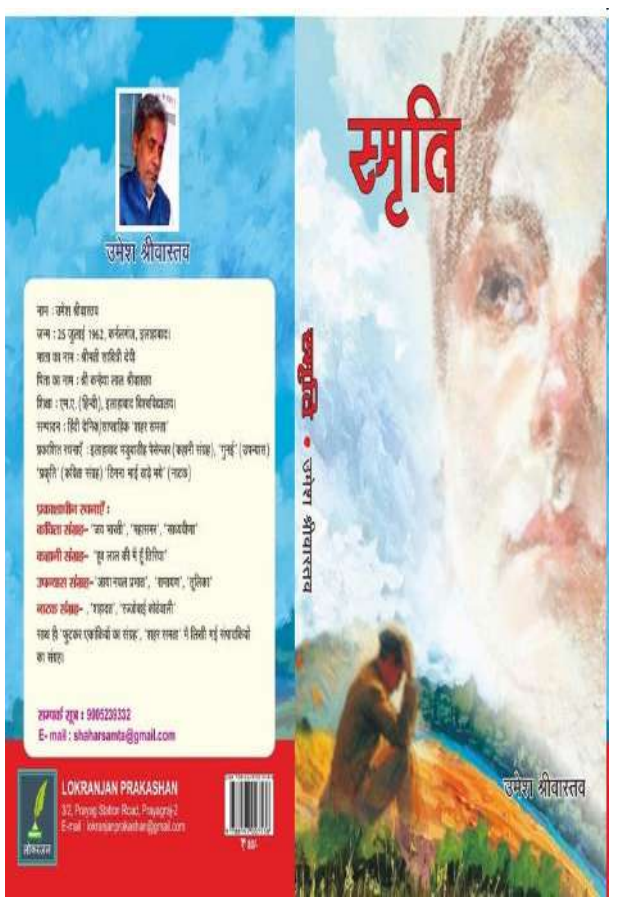

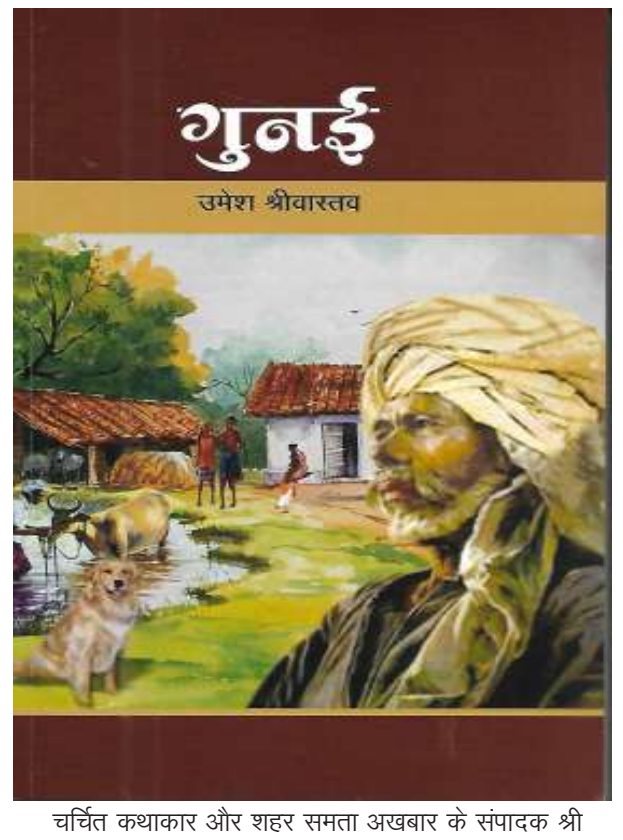

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

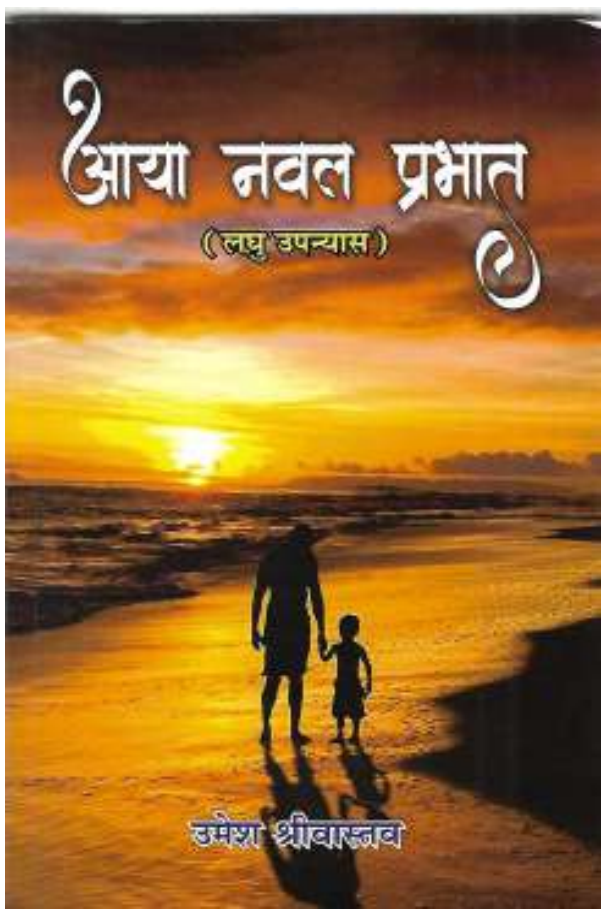

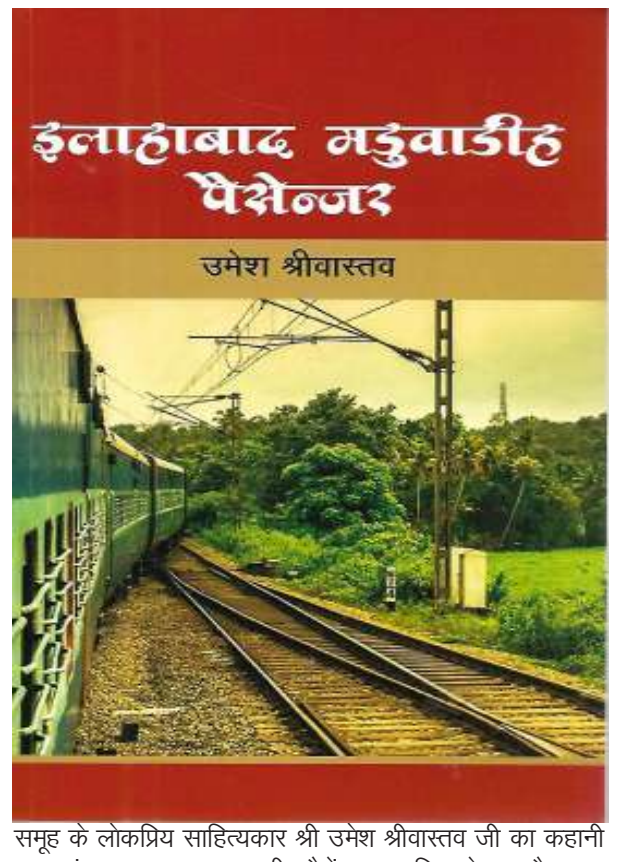

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

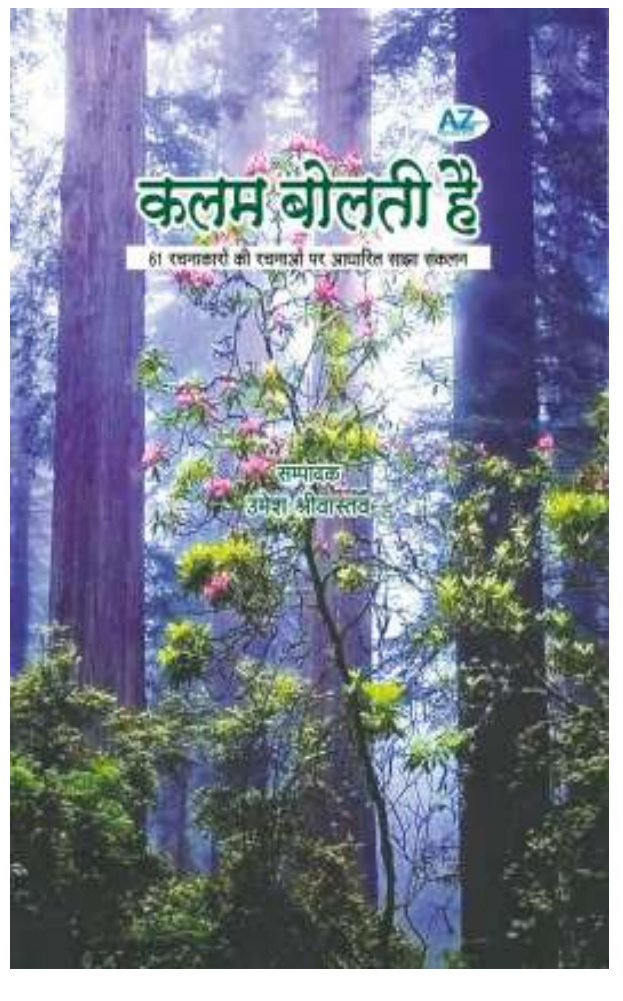

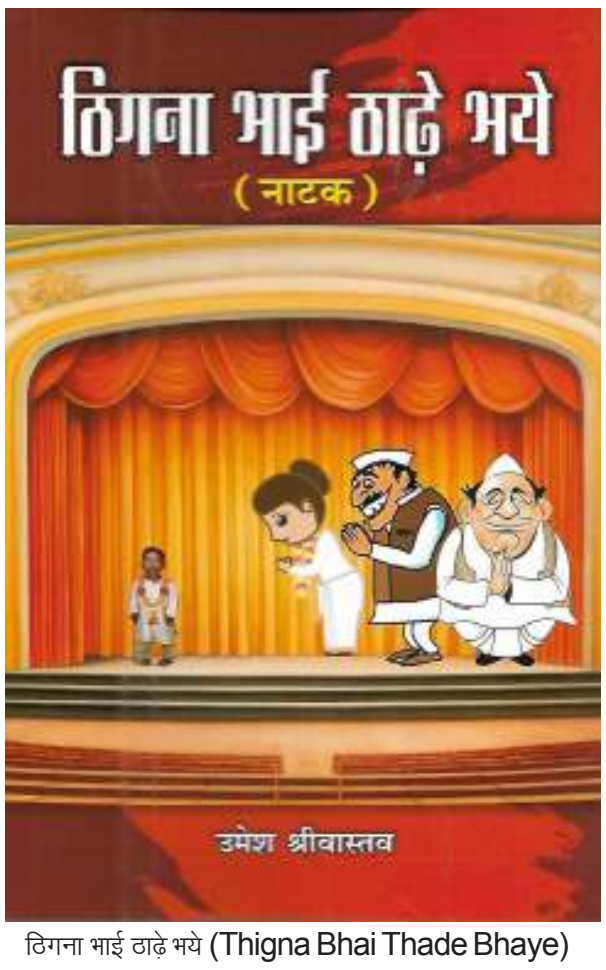

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत के पास कर से बहुत पैसा आत है, हम उनको 2.1 करोड़ डॉलर क्यों दे रहे हैं: डोनाल्ड ट्रंप

न्यूयॉर्क/फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ''भारत में चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने'' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आवंटन के मकसद पर सवाल उठाया है। उन्होंने साथ ही कहा, ''भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है।'' उन्होंने ये टिप्पणियां एलन मस्क के नेतृत्व वाले डीओजीई (सरकारी कार्यदक्षता विभाग) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद की कि 'यूएसएड' ने भारत में मतदान में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष (एयरोस्पेस) और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन (स्पेसएक्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क के नेतृत्व में 16 फरवरी को सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने उन सभी मदों की सूची बनाई जिन पर ''अमेरिकी करदाताओं के पैसे खर्च किए जाएंगे।'' इस सूची में ''भारत में मतदान के दौरान मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर'' का अनुदान भी शामिल था। सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने बताया कि इन सभी मदों को रद्द कर दिया गया है। इस सूची में ''बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने'' के लिए 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन, साथ ही नेपाल में ''राजकोषीय संघवाद'' के लिए दो करोड़ अमेरिकी डॉलर और वहां ''जैव विविधता संरक्षण'' के लिए 1.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन भी शामिल है, जिन्हें रद्द कर दिया गया है। अपने स्वामित्व वाले निजी रिजॉर्ट 'मार-ए-लागो' में मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, ''...भारत में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता हम क्यों दे रहे हैं? उनके पास बहुत पैसा आता है। हमारे संदर्भ में भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है। उनके शुल्क बहुत अधिक हैं...'' उन्होंने मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें संघीय सरकार द्वारा करदाताओं के पैसे की फिजूलखर्ची के बारे में 'आमूल-चूल पारदर्शिता' की आवश्यकता वाले ज्ञापन शामिल थे।

संक्षिप्त

हसीना का प्रत्यर्पण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की प्राथमिकता: प्रवक्ता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत से प्रत्यर्पण उनके देश की प्राथमिकता है। मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल आलम ने संवाददाताओं से कहा, ''यह सरकार

की शीर्ष प्राथमिकता है।'' उन्होंने बताया कि ढाका हसीना को प्रत्यर्पित करने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा ताकि व्यक्तिगत तौर पर उन पर मुकदमा चलाया जा सके। आलम ने कहा कि एक भारतीय मीडिया समूह द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि 55 प्रतिशत भारतीय चाहते हैं कि उन्हें वापस ढाका लाया जाए, जबकि कुछ प्रतिशत उन्हें दूसरे देश भेजना चाहते हैं और केवल 16-17 प्रतिशत चाहते हैं कि वे भारत में ही रहें।

ब्राजील के महाभियोजक ने पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो के खिलाफ आरोप दायर किए

रियो डी जेनेरियो । ब्राजील के महाभियोजक पाउलो गोनेट ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव में हार के बाद भी पद पर बने रहने के लिए तख्तापलट का प्रयास करने का औपचारिक रूप से आरोप लगाया। आरोप है कि तख्तापलट की इस साजिश के तहत बोल्सोनारो के उत्तराधिकारी और वर्तमान राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को जहर देने की योजना भी बनाई गई थी। गोनेट ने आरोप लगाया कि बोल्सोनारो और 33 अन्य लोगों ने सत्ता में बने रहने के लिए षड्यंत्र रचा। जिसके तहत लूला को जहर देने और पूर्व राष्ट्रपति

के विरोधी एवं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की गोली मारकर हत्या करने की योजना भी बनाई गई। गोनेट ने 272 पन्नों के अभियोग में लिखा, ''आपराधिक संगठन के सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में संस्थाओं पर हमला करने की योजना बनाई जिसका उद्देश्य सत्ता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त करना था। इस साजिश को 'ग्रीन एंड येलो डैगर' नाम दिया गया।'' ब्राजील की संघीय पुलिस ने पिछले साल नवंबर में 884 पन्नों की रिपोर्ट दायर की थी जिसमें गोनेट ने इस कथित साजिश के बारे में विस्तार से बताया था। उच्चतम न्यायालय अब आरोपों का विश्लेषण करेगा और अगर आरोप स्वीकार कर लिए गए तो बोल्सोनारो पर मुकदमा चलाया जाएगा। दक्षिणपंथी नेता बोल्सोनारो ने उन पर लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने मंगलवार को ब्रासीलिया में पत्रकारों से कहा, ''मैं आरोपों के कारण कतई चिंतित नहीं हूं, बिल्कुल नहीं।

चीनी नौसेना के हेलीकॉप्टर ने विवादित क्षेत्र में फिलीपीन के गश्ती विमान के बेहद करीब उड़ान भरी

ओवर द स्कारबोरो शोल (साउथ चाइना सी)। दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में एक चीनी नौसेना का हेलीकॉप्टर एक फिलीपीन गश्ती विमान के 10 फीट (3 मीटर) के दायरे में उड़ रहा था, जिसके कारण फिलीपीन के पायलट ने रेडियो पर चेतावनी दी: ''आप बहुत करीब उड़ रहे हैं, यह बहुत खतरनाक है।'' चीनी हेलीकॉप्टर फिलीपीन ब्यूरो ऑफ फिशरीज एंड एक्वेटिक रिसोर्सेज के सेसना कारवां टर्बोप्रॉप विमान को उस क्षेत्र से बाहर निकालने की कोशिश कर रहा था जिस पर चीन अपना हवाई क्षेत्र होने का दावा करता है। विमान में मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार और अन्य आमंत्रित विदेशी मीडियाकर्मियों ने 30 मिनट तक चले इस तनावपूर्ण गतिरोध को देखा, जहां फिलीपीन का विमान स्कारबोरो के आसपास अपने कम ऊंचाई वाले घेरे में गश्त करते हुए आगे बढ़ रहा था, जबकि चीनी नौसेना का हेलीकॉप्टर उसके ऊपर मंडरा रहा था। फिलीपीन के पायलट ने एक समय चीनी नौसेना के हेलीकॉप्टर से रेडियो पर कहा, ''आप बहुत करीब उड़ रहे हैं, यह बहुत खतरनाक है और (आप) हमारे चालक दल और यात्रियों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अपने विमान को हमसे दूर रखें और दूरी बनाए रखें, आप एफएए और आईसीएओ द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानक का उल्लंघन कर रहे हैं।'' पायलट अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन द्वारा हवाई दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विमानों के बीच आवश्यक मानक दूरी का उल्लेख कर रहा था। इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि क्या फिलीपीन के विमान को टकराव से बचने के लिए अपने नियोजित मार्ग और ऊंचाई को बदलना पड़ा। फिलीपीन के तट रक्षक और मत्स्य ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि वे ''चीन की आक्रामक कार्रवाइयों के बावजूद, पश्चिमी फिलीपीन सागर में अपनी संप्रभुता, संप्रभु अधिकारों और समुद्री अधिकार क्षेत्र का दावा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं''।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

भारत ने पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी, बताया आतंक का गढ़

कहा- हम जैश जैसे संगठनों की दहशतगर्दी से रहे त्रस्त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा कि वह पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का शिकार रहा है। पाकिस्तान की धरती से चलने वाले जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई आतंकी हमले किए हैं। भारत के स्थायी प्रतिनिधि (अंबेसडर) परवथानेनी हरीश ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि पाकिस्तान में 20 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की तरफ से प्रतिबंधित आतंकी संगठन मौजूद हैं। इसके बावजूद जब पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता है, तो यह सबसे बड़ी विडंबना होती है।

पाक ने फिर अलापा जम्मू-कश्मीर का राग

भारत की तरफ से यह बयान तब आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इस पर पी. हरीश ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी कारण या मकसद स्वीकार्य नहीं हो सकता। निर्दोष लोगों पर हमला किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान झूठ और गलत जानकारी फैलाने की कोशिश करता है, लेकिन इससे सच्चाई नहीं बदलती।

JeM और हिजबुल ने कई हमलों को दिया अंजाम

उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान इन्हें सीमा पार से समर्थन देता है, जिससे भारत में हिंसा फैलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन और व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति की सूची में शामिल हैं, जिन पर संपत्ति जब्त करने, हथियारों की आपूर्ति रोकने और यात्रा प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

भारत ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए चुनाव का दिया हवाला

भारत ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में चुनाव हुए, जिसमें लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया और अपनी सरकार चुनी। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत और जीवंत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में पाकिस्तान खुद जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है और वहां के हालात खराब हैं। इसके साथ ही भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 'अच्छे' और 'बुरे' आतंकवादियों के बीच अंतर नहीं करना चाहिए।

रवांडा समूथत विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के तीसरे शहर पर किया हमला, जानिए क्या है पूरा विवाद

दाकर। रवांडा समर्थित विद्रोही संगठनों ने मंगलवार को पूर्वी कांगो के तीसरे शहर पर हमला किया है। विद्रोही संगठन पहले ही पूर्वी कांगो के दो प्रमुख शहरों पर कब्जा कर चुके हैं। गौरतलब है कि पूर्वी कांगो खनिजों के मामले में काफी धनी है और अहम वैश्विक तकनीक के लिए ये खनिज बेहद अहम हैं और इसी वजह से पूरी दुनिया की नजरें कांगो के हालात पर टिकी हुई हैं।

गोमा शहर पर कब्जे के दौरान मारे गए थे तीन हजार लोग

रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 के उग्रवादियों ने मंगलवार को पूर्वी कांगो के प्रमुख शहर बुटेम्बो में कांगो सेना के ठिकानों पर हमला किया। करीब डेढ़ लाख की आबादी वाले इस शहर में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और उग्रवादी संगठन तेजी से अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। बीते महीने एम23 और अन्य उग्रवादी संगठनों ने पूर्वी कांगो के गोमा शहर पर कब्जा किया था। उस लड़ाई में करीब 3000 लोग मारे गए थे। बुटेम्बो और गोमा के बीच की दूरी करीब 210 किलोमीटर है। ऐसे में उग्रवादी संगठनों की लगातार मजबूत हो रही स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी हफ्ते विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के बुकावु शहर पर भी कब्जा कर लिया था। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में सोने और कोल्टन के भंडार हैं। साथ ही मोबाइल फोन, लैपटॉप में इस्तेमाल होने वाले कैपिसेटर्स को बनाने में जिन खनिजों का इस्तेमाल होता है, उनके भी भंडार पूर्वी कांगो में मौजूद हैं। मंगलवार को विद्रोही गुटों ने कामनयोला शहर पर भी कब्जा कर लिया और अब विद्रोही गुटों के रणनीतिक रूप से अहम यूविरा शहर पर भी कब्जा करने की आशंका बढ़ गई है। विश्लेषकों का मानना है कि विद्रोही कांगो में राजनीतिक ताकत हासिल करना चाहते हैं और इसी के तहत उन्होंने गोमा शहर पर कब्जे के बाद वहां अपना मेयर भी नियुक्त कर दिया है। साथ ही गोमा में जनगणना कराने का भी एलान कर दिया गया है। माना जा रहा है कि विद्रोही शहर पर अपना कब्जा बरकरार रखेंगे।

क्या है लड़ाई की वजह

100 से ज्यादा विद्रोही संगठन मिलकर कांगो पर हमला कर रहे हैं। इनमें एक प्रमुख संगठन है एम23। इस संगठन में करीब चार हजार लड़ाके रवांडा के हैं। रवांडा का आरोप है कि साल 1994

में रवांडा के अल्पसंख्यकों तुत्सीस और उदारवादी हुतुस जनजाति के लोगों का नरसंहार किया गया और इस नरसंहार के पीछे कट्टरपंथी हुतु लोग शामिल थे। रवाडां का कहना है कि अब उन्हीं कट्टरपंथी हुतु जनजाति के लोगों को कांगो की सेना में भर्ती किया जा रहा है। रवांडा का कहना है कि वे तुत्सीस और उदारवादी हुतु लोगों की सुरक्षा के लिए कांगो में बदलाव लाना चाहता है और उसे एक असफल राष्ट्र से आधुनिक राष्ट्र बनाना चाहता है। हालांकि विश्लेषकों को रवांडा के इस दावे पर शक है और उनका कहना है कि रवांडा की नजरें कांगो के खरबों डॉलर की कीमत वाली खनिज संपदा पर है और रवांडा कांगो पर कब्जा कर उसकी खनिज संपदा का अपने फायदे के लिए दोहन करना चाहता है।

जापान के पूर्व पीएम किशिदा पर हमले में दोषी पाया गया युवक, अदालत ने सुनाई 10 साल जेल की सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व पीएम फुमियो किशिदा पर हमले के लिए एक युवक को दोषी ठहराया और उसे 10 साल जेल की सजा सुनाई है। दोषी युवक ने किशिदा पर साल 2023 में एक कार्यक्रम के दौरान पाइप बम फेंका था। दोषी रयुजी किमुरा (25 वर्षीय) पर 15 अप्रैल 2023 को हत्या के प्रयास का मामला दर्ज हुआ था। हालांकि उस हमले में किशिदा बाल-बाल बच गए थे, लेकिन दो अन्य लोग घायल हुए थे। किमुरा को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

एक जनसभा के दौरान हुआ था फुमियो किशिदा पर हमला

जापानी मीडिया के अनुसार, हमले के वक्त किशिदा जापान के पश्चिमी शहर वाकायामा के एक छोटे से बंदरगाह पर थे। गौरतलब है कि किशिदा पर हमला, पूर्व पीएम शिंजो आबे पर जापान के पश्चिमी शहर नारा में हुए हमले के एक साल बाद हुआ था। हमले में शिंजो आबे की जान चली गई थी। किमुरा के खिलाफ पूर्व पीएम पर जानलेवा हमले के साथ ही विस्फोटक और हथियार संबंधी कानून का उल्लंघन करने के लिए भी आरोप तय किए गए थे। किमुरा को फरवरी की शुरुआत में दोषी ठहराया गया था। हालांकि उसने अदालती सुनवाई के दौरान कहा कि उसने किशिदा की जान लेने के मकसद से हमला नहीं किया था। हालांकि अदालत ने सख्ती दिखाते हुए दोषी किमुरा को 10 साल जेल की सजा सुनाई है।

'स्थिति को जस का तस बनाए रखने वाले देश छोटी सोच वाले', सुरक्षा परिषद में विस्तार न होने पर भारत नाराज

न्यूयॉर्क। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की मांग उठाई है। इस बार भारत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जो देश स्थिति को जस का तस बनाए रखना चाहते हैं और यूएनएससी में विस्तार नहीं होने दे रहे, वे दूर की नहीं सोच पा रहे और प्रतिगामी सोच वाले देश हैं। भारत ने कहा कि इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। चीन की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और वैश्विक प्रशासन को बेहतर

बनाने के मुद्दे पर खुली बहस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश शामिल हुए।

भारत ने यूएन में इन तीन बदलावों की उठाई मांग

बैठक के दौरान यूएन में भारत के स्थायी राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि वैश्विक दक्षिण को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत और कई अन्य अहम देशों को भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। भारतीय राजदूत ने 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में विस्तार की मांग दोहराई और कहा कि यूएन में तीन बड़े बदलाव होने बेहद जरूरी हैं। हरीश ने कहा कि पहले तो सुरक्षा परिषद में स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, दूसरा दस्तावेज आधारित सुलह समझौते होने चाहिए और तीसरा बड़े वैश्विक मुद्दों पर नतीजों के लिए एक तय समयसीमा होनी चाहिए।

'दुनिया बदली, यूएन को भी बदलना चाहिए'

भारतीय राजनयिक ने कहा कि जो देश सुरक्षा परिषद के विस्तार का विरोध कर रहे हैं, वे यथास्थिति बनाए रखना चाहते हैं और छोट सोच के हैं। उनकी सोच प्रतिगामी है। इसे और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।' पीएम मोदी के बीते साल सितंबर में दिए एक बयान का जिक्र करते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की अहमियत बनाए रखने के लिए सुधार जरूरी हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा कि 'भारत लगातार यूएन में सुधार की मांग उठा रहा है। दुनिया बदल चुकी है और समय के साथ संयुक्त राष्ट्र को भी बदलने की जरूरत है। यह मौजूदा वैश्विक व्यवस्था को प्रदर्शित करना चाहिए न कि साल 1945 की व्यवस्था को।'

अमेरिका से निकाले गए करीब 300 लोग, पनामा के होटल में रोके गए

पनामा सिटी। पनामा में लगभग 300 लोगों को एक होटल में रोका गया है, जिन्हें अमेरिका ने निकाला है। ये लोग अलग-अलग देशों के हैं और जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, 40þ से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद प्रवासियों ने खिड़कियों पर संदेश लगाए हैं, जिनमें लिखा है – मदद करें।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।